UPHIN/2011/39718 (डिजिटल संस्करण) बुन्देलखण्ड का सबसे दबंग अखबार

दैनिक यंग भारत

निष्पक्ष नज़र निर्भीक खबर

Digital Edition

यंग भारत तेज न्यूज़

सहयोगी प्रकाशन/प्रसारण
दैनिक वास्तविक समाज वाद-लखनऊ
प्रमुख उर्दू दैनिक तामीरे नौ -लखनऊ

संजय श्रीवास्तव
प्रधान सम्पादक

वर्ष-14 अंक-293 कीर्ति शेष रामेश्वर दयाल श्रीवास्तव (लम्बरदार) की स्मृति में उरई (जालौन) सोमवार 05 अक्टूबर 2026 youngbharatepaper.com

विभाजनकारी ताकतों को हमें किसी भी प्रकार से सफल नहीं होने देना है, गायत्री परिवार के कार्यक्रम से सीएम योगी का बड़ा संदेश

संजय श्रीवास्तव
प्रधान सम्पादक

(यंग भारत न्यूज)

लखनऊः उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने समाज को विभाजनकारी ताकतों से बचाए जाने की जरूरत पर जोर दिया। लखनऊ में रविवार को आयोजित कार्यक्रम में सीएम योगी ने कहा कि समाज को बांटने वाली ताकतों को सफल होने से रोकने में शिक्षकों की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है। मुख्यमंत्री ने लखनऊ के आशियाना स्थित राम मनोहर लोहिया विधि विश्वविद्यालय में अखिल विश्व गायत्री परिवार की ओ से आयोजित प्रांतीय शिक्षक गरिमा सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि देश को जाति आधारित गुटों में बंटे और आपस में लड़ने वाले भारत की नहीं, बल्कि 'एक भारत-श्रेष्ठ भारत' की जरूरत है।

सीएम योगी ने इस बात पर बल दिया कि समाज को बांटने वाली ताकतों को सफल होने से रोकने में शिक्षकों की अहम भूमिका है। उन्होंने कहा कि गुलामी के दौर में जहां एक वर्ग ने समाज को बांटने की कोशिश की थी, वहीं दूसरे वर्ग ने लोगों को एकजुट करने और आजादी की आवाज बुलंद करने का काम किया था। आज भी वही प्रवृत्ति अलग-अलग रूपों में दिखाई देती है। सीएम योगी आदित्यनाथ ने शिक्षकों से अपील की कि वे समाज को बांटने की कोशिश करने वाली ताकतों को सफल न होने दें। मुख्यमंत्री ने आध्यात्मिक माहौल में गायत्री परिवार की स्थापना करने वाले पंडित श्रीराम शर्मा आचार्य को याद करते हुए कहा कि याद रखना, इस सृष्टि का पहला मंत्र गायत्री मंत्र है। महर्षि विश्वामित्र ने इस मंत्र की रचना की। यह मंत्र परमपिता परमेश्वर के तेज से जुड़ने का आह्वान करता है। सीएम ने कहा कि इस पवित्र मंत्र की शक्ति का अहसास जिसने भी इसे अंगीकार किया, उसका कल्याण हो गया। उन्होंने गायत्री परिवार का जिक्र करते हुए कहा कि पंडित श्रीराम शर्मा चाहते तो इसका नाम 'श्रीराम शर्मा संगठन' रख सकते थे, लेकिन उन्होंने इसे 'गायत्री परिवार' नाम दिया, क्योंकि व्यक्ति से बड़ा परिवार (समूह) होता है। मुख्यमंत्री ने बिना किसी का नाम लिए व्यक्तिवादी राजनीतिक संगठनों पर तंज कसते हुए कहा कि जब कोई संगठन किसी व्यक्ति के नाम पर चलता है तो कुछ वर्षों बाद स्वयं धराशायी हो जाता है। संगठन विचार के नाम पर चलता है और लंबी दूरी तय करता है। सीएम योगी ने कहा कि पंडित श्रीराम शर्मा आचार्य उन महापुरुषों में से हैं,

ममता के आगे विवश मां ने खोली रस्सी, बेटे ने बिछा दीं लाशें, मां सहित परिवार के 4 सदस्यों को उतारा मौत के घाट

(यंग भारत न्यूज)

मध्यप्रदेश के अनूपपुर से एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आए है, जहां जिले के ग्राम आमोदा में एक युवक ने अपने ही परिवार के चार सदस्यों को मौत के घाट उतार दिया। अनूपपुर जिले की सरई पुलिस चौकी से 60 किलोमीटर दूर और उमरिया जिले के घनघुटी गांव से 16 किलोमीटर पहले छोटी तुम्मी ग्राम पंचायत के अमोदा गांव में शनिवार की सुबह ये दिल दहला देने वाली घटना घटित हुई। इस घटना में नाना-नानी के घर में रह रहे 32 वर्षीय युवक प्रेम सिंह गोंड ने अचानक अपनी ही 70 वर्षीय नानी भन्नी बाई गोंड पर हमला कर दिया। ऐसे में बीच बचाव करने पहुंचे 75 वर्षीय नाना संपत सिंह गोंड पर भी युवक ने डंडे से लगातार प्रहार कर गंभीर रूप से घायल कर दिया और यहीं नहीं रुका। नाना-नानी पर हमले के बाद उसने अपनी 50 वर्षीय मां अनूपिया बाई और ममेरी बहन पर भी हमला कर दिया, जिसके चलते चारों की मौके पर ही मौत हो गई। इस दौरान युवक ने अपने मामा सहित उनकी 4 अन्य पर भी डंडे से हमला

कर गंभीर रूप से घायल कर दिया, जिनका वर्तमान में शहडोल में इलाज कराया जा रहा है। पुलिस अधीक्षक विक्रांत मुराब पहुंच कर मौके पर निरीक्षण कर जायाजा लिया। पुलिस के अनुसार, प्रेम सिंह गोंड कुछ समय से अपनी मां के साथ नाना-नानी के घर रह रहा था। शुक्रवार रात उसने गांव के मंदिर के पुजारी की भी पिटाई की थी, जिसके बाद परिवार ने उसे घर में रस्सी से बांधकर रखा था। लेकिन, बेटे की ममता के आगे मजबूर अनूपिया ने उसे खोल दिया, जिसके बाद उसने एक के बाद परिवार के सदस्यों पर हमला करके 4 की हत्या कर दी और मामा सहित अन्य चार को घायल कर दिया। पुलिस अधीक्षक अनूपपुर विक्रांत मुराब ने बताया कि ग्रामीणों के अनुसार युवक प्रेम सिंह गोंड मानसिक विक्षिप्त है, जो अपनी मां के साथ किसी पारिवारिक कारणों में कुछ समय से अपने नाना-नानी के घर अमोदा में रह रहा था। शुक्रवार की रात करीब 1-2 बजे गांव के ही मंदिर पुजारी 62 वर्षीय गंगा सिंह पर अचानक डंडे से हमला किया था, जिसमें पुजारी गंभीर रूप से घायल हो गए। ग्रामीणों ने परिजनों के साथ उन्हें उपचार के लिए अस्पताल के लिए भेजा था। इसके बाद ग्रामीणों ने प्रेम सिंह गोंड को हाथ पैर बांधकर घर के पास बैठा दिया था। कुछ देर शांत रहने के बाद सुबह करीब 4 से 5 के बीच मां को लगा कि अब वह किसी को नुकसान नहीं पहुंचाएगा तो ममता की मारी मां ने उसके हाथ पांव की बंधी रस्सी की खोल दी। मां के रस्सी खोलने के कुछ समय बाद अचानक ही युवक पास रखे डंडे से अपनी नानी भन्नी बाई पर हमला कर दिया। इसी दौरान बीच बचाव के लिए उसके नाना संपत सिंह दौड़े, लेकिन युवक ने उसे पर भी ताबड़तोड़ डंडे से प्रहार करना शुरू कर दिया। दोनों वहीं जमीन पर गिर गए,

जब सीट होगी तब ही तो जीत होगी', अखिलेश यादव पर भड़के इमरान मसूद, कैप्टन स्मित मामले पर भी बोले

(यंग भारत न्यूज)

सहारनपुरः उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव 2027 को लेकर कांग्रेस और समाजवादी पार्टी के बीच शीट शेयरिंग के मुद्दे पर सहमति बनती नहीं दिख रही है। समाजवादी पार्टी अध्यक्ष अखिलेश यादव सीट से अधिक जीत की बात की है। इस मामले में अब कांग्रेस के कार्यकारी अध्यक्ष का बड़ा बयान दिया है। उन्होंने यूपी चुनाव 2027 को लेकर सीट शेयरिंग के मुद्दे पर बड़ी टिप्पणी की। दरअसल, यूपी चुनाव में सीटों के बंटवारे के मुद्दे पर पिछले काफी समय से इमरान मसूद बयान देते दिखे थे। अब उन्होंने अखिलेश यादव के बयान को सुनने में अच्छा लगने की बात कहकर सीट शेयरिंग के मुद्दे को जल्द सुलझाने की तरफ कदम उठाए जाने की बात कही है। साथ ही, कैप्टन स्मित मच्छार मामले में भी उन्होंने भाजपा सरकार पर निशाना साधा है।

सहारनपुर से कांग्रेस सांसद और प्रदेश कार्यकारी अध्यक्ष इमरान मसूद ने सपा प्रमुख अखिलेश यादव के बयान पर बड़ी टिप्पणी की। बेंगलुरु में मीडिया से बातचीत के क्रम में सपा प्रमुख के 'बात सीट की नहीं, जीत की है' वाले बयान पर कहा कि यह बात सुनने में अच्छी लगता ही कि बात सीट की नहीं जीत की होगी, लेकिन जब सीट ही नहीं होगी तो जीत कैसी होगी? जब सीट होगी तब ही तो जीत होगी। इमरान मसूद ने इसके साथ ही सपा-कांग्रेस के बीच जल्द सीट बंटवारे का मुद्दा सुलझाए जाने की बात कही है।

अखिलेश यादव ने सोशल मीडिया एक्स पर किए गए पोस्ट में शायरी के जरिए बड़ा संदेश दिया। उन्होंने लिखा कि मकसद जब साफ हो तो हाथ-में-हाथ होता है, निगाह मंजिल पर हो तो सफर आसान होता है! उन्होंने आगे कहा कि बात बड़ी ये नहीं है कि गठबंधन में कितनी सीटें या कौन सी सीट किसके पास जा रही है, बात बड़ी ये है कि हम सबको ये सुनिश्चित करना है कि जीत गठबंधन की हो। फिर दोहराते हैं कि बात सीट की नहीं जीत की है। अखिलेश ने यूपी चुनाव 2027 को लेकर कहा कि ये जीत हमारे गठबंधन के दलों से बढ़कर हम सबकी उस संयुक्त कोशिश की जीत होगी जो इसलिए लगातार संघर्षरत है कि सांप्रदायिकता फिर कभी सिर न उठा सके। लोकतंत्र-संविधान-आरक्षण पर भाजपाई आंच न आए और देश का सौहार्द फिर से खिलखिलाए। देश की तरक्की और खुशहाली फिर से मुस्कुराए। इमरान मसूद ने इसी बयान पर प्रतिक्रिया दी है। कांग्रेस सांसद इमरान मसूद ने कैप्टन स्मित मच्छार मामले पर भी बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि कैप्टन स्मित मच्छार ने अपनी और दूसरों की जान बचाई। उनकी बहादुरी को सलाम। भाजपा ने इसको भी इवेंट बना दिया है। ऐसा कुछ भी नहीं है कि भाजपा ने हर चीज को इवेंट में बदल दिया है। हर मुद्दे को भाजपा इवेंट बना रही है। दरअसल, एयर फ्लाईदुबई के पायलट कैप्टन स्मित मच्छार ने तेल अवीव जा रहे विमान को हाईजैक होने से बचाया। इसको लेकर वैश्विक स्तर पर उनकी प्रशंसा हो रही है। पीएम नरेंद्र मोदी ने भी उनकी बहादुरी को सलाम किया है। अब इस पर इमरान मसूद का बयान आया है। इमरान मसूद ने एसआईआर विवाद पर हमलावर रुख अपनाते हुए कहा कि मुद्दे को भटकाने के लिए कई चीजें की जाती हैं, लेकिन असली लड़ाई राहुल गांधी लड़ रहे हैं। इस लड़ाई से देश में जो भी नतीजा आएगा, वह राहुल गांधी की लड़ाई से आएगा, किसी और चीज से नहीं। यह मुद्दे को कमजोर करने और दबाव को कहीं और मोड़ने का तरीका हो सकता है। जहां तक असली लड़ाई की बात है, पूरा देश समझता है कि चुनाव आयोग ने आज पूरे देश को सवालों के घेरे में डाल दिया है। 70 सालों में जो भरोसा बना था, उसे कुर्सी पर बैठे एक व्यक्ति ने तोड़ दिया है। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार और एसआईआर विवाद पर इमरान मसूद ने तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि हम ज्ञानेश कुमार को चैन से बैठने नहीं देंगे। ज्ञानेश कुमार को जाना होगा और उन्हें इसका जवाब देना होगा। उन्होंने कहा कि भाजपा ने लोकतंत्र का अपमान किया है। वे चोरी के वोटों से सरकारें चला रहे हैं। बंगाल और बिहार में ऐसी सरकारें हैं जो चोरी के वोटों से बनी हैं। वे लोकतंत्र को मारने के बाद चोरी के वोटों के दम पर सरकारें चला रहे हैं।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने फोड़ा सपा के 'पाप का घड़ा', 34 साल का हिसाब मांगा

(प्रधान सम्पादक)

(यंग भारत न्यूज)

लखनऊः भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी ने रविवार को पार्टी मुख्यालय पर प्रेस कॉन्फ्रेंस की. इस दौरान उन्होंने समाजवादी पार्टी की स्थापना के 34 साल पूरे होने पर 34 साल का हिसाब मांगा. समाजवादी पार्टी सरकार के कार्यकाल के दौरान 34 बिंदुओं की सूची जारी की. इनमें मुजफ्फरनगर दंगा, सहारनपुर दंगा, लखनऊ गेस्ट हाउस कांड, मथुरा का जवाहर बाग कांड, आईएएस दुर्गा शक्ति नागपाल के निलंबन के साथ ही गोमती रिवरफ्रंट घोटाला, जेपीएनआईसी घोटाला, कैराना पलायन, दंगों में तत्कालीन मंत्री आजम खान का रोल समेत यूपीएससी में जातीय अध्यक्ष की नियुक्ति के अलावा यश भारती पुरस्कार में भाई भतीजावाद जैसे बिंदु शामिल हैं. इस दौरान उन्होंने मंच पर रखें एक घड़े को फोड़ा, जिस पर लिखा था सपा के पाप का घड़ा.

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी ने कहा कि समाजवादी पार्टी की स्थापना के 34 साल पूरे

हुए हैं. जब-जब समाजवादी पार्टी की सरकार रही तब-तब उत्तर प्रदेश में जमकर घोटाले हुए, खूब दंगे हुए, दलितों को प्रताड़ित किया गया, लोगों को पलायन के लिए मजबूर होना पड़ा. किसानों को अपनी पूंजी का सही मूल्य तक नहीं मिला. तमाम ऐसे उदाहरण हैं जब सिर्फ एक जाति के लोगों को ही सपा ने बढ़ावा दिया. इतना ही नहीं, आयोग का अध्यक्ष भी ऐसे को बनाया जिसने एक ही जाति के लोगों को ही बढ़ावा दिया. कई मामलों में कोर्ट तक को दखल देना पड़ा.

माफिया के लिए क्या ही कहा जाए. उत्तर प्रदेश में जंगलराज कायम हो गया था. मुख्तार अंसारी और अतीक अहमद जैसे बाहुबली खुलेआम प्रदेश की जनता के साथ दबंगई करते थे. आजम खान जब मंत्री थे तो उनके क्या ही कहने थे. सभी को याद होगा मुजफ्फरनगर दंगे में उनकी क्या भूमिका रही थी. पत्रकार भी सपा सरकार में सुरक्षित नहीं थे.

कहा, एक पत्रकार जो सही पत्रकारिता कर रहा था, उसे जिंदा जलवा दिया गया था. समाजवादी पार्टी के 34 साल इसी अराजकता के रहे हैं. उन्होंने सपा के पाप का घड़ा फोड़ते हुए कहा कि ये इसीलिए जल्दी नहीं फूट रहा है, क्योंकि बड़ा बेहया है.

34 साल का हिसाब गुंडाराज और माफिया राज

1994 रामपुर तिराहा कांड
1995 लखनऊ गेस्ट हाउस कांड
2013 मुजफ्फरनगर दंगा
2014 सहारनपुर दंगा
2015 पत्रकार गजेंद्र सिंह हत्याकांड
2013 दुर्गा शक्ति नागपाल निलंबन
2016 जवाहर बाग कांड मथुरा
2016 बुलंदशहर हाईवे गैंग रेप
2016 आजम खान का घटिया बयान
2014 बदायूं कांड
2012 मुख्यमंत्री के पास 50 विभाग
2012 डिंपल यादव की निर्विरोध जीत
2014 यादव परिवार की पांच लोकसभा सीटें
2016 पारिवारिक सत्ता संघर्ष
2015 गोमती रिवर फ्रंट घोटाला
2012 यादव सिंह घोटाला
2013 मुफ्त लैपटॉप घोटाला
2013 बेरोजगारी भत्ता
2016 गन्ना ब्याज माफी
2013-16 गन्ना किसानों का शोषण
2013-16 जेपीएनआईसी घोटाला
2013 आजम खान पर हस्तक्षेप का आरोप
2014-16 कैराना पलायन
2013 जातिवाद से लिप्त यूपीएससी अध्यक्ष की नियुक्ति
2012-17 यश भारती पुरस्कार में भाई भतीजावाद
2015 72825 शिक्षक भर्ती
2015 यूपीपीसीएस प्रारंभिक परीक्षा पेपर लीक
2016 जल निगम भर्ती घोटाला
2013 यूपीएससी में जातीय भर्ती विवाद
2016 मुख्तार अंसारी की पार्टी का विलय
2017 सत्ता के लिए बंदरबांट
2012 एससी एसटी पदोन्नति आरक्षण बिल का विरोध : 2015-16 दलित उत्पीड़न में यूपी नंबर वन
दलित लेखक कंवल भारती की गिरफ्तारी

प्रेमानंद महाराज के आश्रम में ऐसा क्या हुआ कि ष्टरू्योगी तक पहुंचा मामला?

फलाहारी महाराज ने लिखी चिट्ठी, लगाए जमीन और लापता बच्चों को लेकर गंभीर आरोप. फिर बेलवन चले गए महाराज!

(यंग भारत न्यूज)

वृंदावन के संत प्रेमानंद महाराज की सुरक्षा और उनके आश्रम से जुड़े विवाद को लेकर मामला अब मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ तक पहुंच गया है। श्री कृष्ण जन्मभूमि संघर्ष न्यास से जुड़े फलाहारी महाराज ने सीएम योगी को पत्र लिखकर प्रेमानंद महाराज की सुरक्षा बढ़ाने और आश्रम से जुड़े कई मामलों की जांच कराने की मांग की है। पत्र में उन्होंने आश्रम के भीतर दो गुट सक्रिय होने का दावा किया है।

फलाहारी महाराज का दावा है कि एक गुट साधना और तपस्या से जुड़े संतों का है, जबकि दूसरे गुट के कुछ लोगों के बारे में उन्होंने संपत्ति और जमीन से जुड़े कारोबार में शामिल होने के आरोप लगाए हैं। उनके मुताबिक, प्रॉपर्टी को लेकर पैदा हुए विवादों से प्रेमानंद महाराज नाराज और आहत हुए हैं, जिसके बाद वह अपने साथ कई तपस्वी संतों को लेकर बेलवन स्थित आश्रम चले गए। हालांकि, ये सभी दावे फलाहारी महाराज की ओर से लगाए गए हैं और इनकी स्वतंत्र पुष्टि नहीं हुई है। पत्र में फलाहारी महाराज ने आश्रम से जुड़े कुछ लोगों पर आपराधिक गतिविधियों में शामिल होने और संत की आड़ में जमीन-संपत्ति खड़ी करने जैसे गंभीर आरोप भी लगाए हैं। उन्होंने यमुना खादर में कथित जमीन कारोबार की जांच कराने की मांग की है। इसके साथ ही उन्होंने प्रेमानंद महाराज की सुरक्षा को देशहित से जुड़ा मामला बताते हुए सुरक्षा बढ़ाने की मांग रखी है। सबसे गंभीर आरोपों में बच्चों के गायब होने और किडनी चोरी की आशंका का भी जिक्र है। फलाहारी महाराज ने इन दावों के आधार पर नाबालिगों की स्थिति की जांच, बाल आयोग से पड़ताल और आश्रम में रहने वाले सेवादारों के पुलिस वेरिफिकेशन की मांग की है। इन आरोपों को फिलहाल दावा और आशंका के तौर पर ही देखा जा रहा है; किसी जांच एजेंसी द्वारा इन आरोपों की पुष्टि की जानकारी सामने नहीं आई है।

इसी बीच 17 वर्षीय अनुज चौधरी को लेकर भी मामला सामने आया। परिवार ने करीब तीन महीने तक उसकी तलाश की और वृंदावन स्थित आश्रम के पास धरना भी दिया। बाद में पुलिस ने बताया कि अनुज बरसाना क्षेत्र के एक आश्रम में मिल गया है, जहां वह रह रहा था। इस घटना ने आश्रमों में रहने वाले नाबालिगों और उनके परिवारों से जुड़े सवालों को भी चर्चा में ला दिया है। अब सबकी नजर इस बात पर है कि मुख्यमंत्री कार्यालय और प्रशासन इन आरोपों पर क्या कदम उठाते हैं।

फलाहारी महाराज ने प्रेमानंद महाराज के लिए सुरक्षा बढ़ाने के साथ-साथ आश्रम के ष्टष्टञ्जङ्क फुटेज सुरक्षित रखने और पूरे मामले की जांच की मांग की है। फिलहाल जमीन विवाद, आश्रम के भीतर कथित गुटबाजी और बच्चों से जुड़े आरोपों की सच्चाई जांच के बाद ही साफ होगी।

पहली पत्नी को दो तलाक, मुझसे करो शादी.', इनकार किया तो प्रेमिका ने भाइयों से पिटवाया, तुड़वाए हाथ-पैर?

(यंग भारत न्यूज)

उत्तर प्रदेश के बरेली जिले के भोजीपुरा थाना क्षेत्र से एक दिल दहला देने वाला मामला सामने आया है. यहां एक युवती ने पहली पत्नी को तलाक देकर खुद से शादी न करने पर अपने भाइयों के साथ मिलकर प्रेमी की बेरहमी से पिटाई करवा दी.

मारपीट में युवक के दोनों हाथपैर टूट गए हैं. पीड़ित युवक के पिता की शिकायत पर पुलिस ने प्रेमिका और उसके भाइयों समेत छह लोगों के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है. प्राप्त जानकारी के अनुसार, पीड़ित युवक पप्पू अपने क्षेत्र में एक क्लीनिक पर दवा लेने गया था. पीड़ित का आरोप है कि उसकी प्रेमिका ने उसे फोन करके एक स्थान पर बुलाया. जब पप्पू वहां पहुंचा, तो युवती उस पर पहली पत्नी को तलाक देकर शादी करने का दबाव बनाने लगी. जब पप्पू ने पहली पत्नी को छोड़ने और शादी करने से साफ इंकार कर दिया, तो युवती ने अपने भाइयों और साथियों के साथ मिलकर उस पर हमला बोल दिया. हमले में पप्पू गंभीर रूप से घायल हो गया. मारपीट इतनी खौफनाक थी कि युवक के हाथ और पैर टूट गए. घटना की सूचना के बाद परिजनों में हड़कंप मच गया. ये खबर आप हिमाचल से में पढ़ रहे हैं। पीड़ित युवक के पिता जाकिर हुसैन ने तत्काल भोजीपुरा थाने पहुंचकर पुलिस को तहरीर दी. शिकायत मिलते ही पुलिस ने मामले की जांच शुरू की और घायल युवक का मेडिकल परीक्षण कराया. फिलहाल पप्पू का इलाज बरेली के जिला अस्पताल में चल रहा है. मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए छह आरोपियों के खिलाफ नामजद और संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया है. क्षेत्राधिकारी देवेश सिंह ने बताया पीड़ित जाकिर हुसैन की ओर से बेटे के साथ मारपीट की शिकायत मिली थी. शिकायत के आधार पर पुलिस ने मेडिकल परीक्षण कराया और 6 लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है. आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए दबिश दी जा रही है, जल्द ही उन्हें हिरासत में लेकर वैधानिक कार्रवाई की जाएगी.

औरंगजेब के समय बिखर गया था यूपी का ब्राह्मण परिवार, अब मुस्लिम शादी के कार्ड में 'दुबे' सरनेम से खुला राज

(यंग भारत न्यूज)

जौनपुरः जौनपुर के देहरी गांव में शनिवार को एक ऐसे परिवार के वंशज इकट्ठा हुए, जिनके बारे में कहा जाता है कि वे मुगल बादशाह के दौर में अलग हो गए थे। 'ब्राह्मण कुल मिलन' नाम के कार्यक्रम में नौशाद अहमद दुबे के घर पर काशी और जौनपुर के ब्राह्मण एक साथ जमा हुए।

परिवार की जानकारी के अनुसार, नौशाद के पूर्वज लाल बहादुर दुबे आठ पीढ़ी पहले आजमगढ़ के रानी की सराय में रहते थे। कहा जाता है कि औरंगजेब के शासनकाल में उन्होंने इस्लाम अपना लिया था और बाद में जौनपुर के देहरी गांव में बस गए थे। उन्होंने वहां एक पुराने जमींदार से जमीन खरीदकर जमींदारी शुरू की थी। बताया जाता है कि लाल बहादुर के परिवार के बाकी सदस्य और उनके रिश्तेदार आजमगढ़ के रानी की सराय से निकलकर जौनपुरऔर यूपी के पूर्वांचल के दूसरे इलाकों में बस गए थे। पीढ़ियां जैसे-जैसे गुजरती गईं इन परिवारों का आपस में संपर्क कम होता चला गया। अब उनके वंशजों के लिए शनिवार का कार्यक्रम सिर्फ एक मिलन समारोह नहीं था। यह पीढ़ियों के सफर जैसा था, जिसमें पुरानी यादें, पूर्वजों की कहानियां और बरसों से टूटे पारिवारिक रिश्तों को फिर से खोजने का अनुभव था। इन सभी लोगों का पारिवारिक रिश्ता धुंधला पड़ गया था। लेकिन जब नौशाद अहमद ने अपनी बेटी की शादी के निमंत्रण कार्ड पर 'दुबे' सरनेम का इस्तेमाल किया, तो कई लोगों का ध्यान इस तरफ गया। कार्ड में लाल बहादुर का जिक्र होने पर परिवार के कई बिखरे हुए रिश्तेदारों ने अपनी जड़ों का पता लगाने की कोशिश की। इन कोशिशों से नौशाद के परिवार और कई हिंदू ब्राह्मण परिवारों के बीच पहले से अनजान रिश्तों का पता चला। उदाहरण के तौर पर जौनपुर के शैलेंद्र शुक्ला को पता चला कि नौशाद उनकी बुआ के जरिए उनके रिश्तेदार हैं। वहीं, वाराणसी के विवेक मिश्रा के लिए नौशाद आखिरकार उनके मामा निकले। विशाल भारत संस्थान के राष्ट्रीय अध्यक्ष और इतिहासकार राजीव श्रीगुरुजी ने इस पुनर्मिलन में अहम भूमिका निभाई। उनकी रिसर्च टीम ने पूरे इलाके में नौशाद के पूर्वजों और रिश्तेदारों की पहचान करने में चार साल लगाए। इस पुनर्मिलन के हिस्से के तौर पर नौशाद अहमद ने पारंपरिक 'भोज-भात' दावत का आयोजन किया, जो पूर्वांचल में रिश्तेदारों को एक साथ लाने से जुड़ी एक परंपरा है। रिश्तेदार एक कतार में बैठे और नौशाद के परिवार ने उन्हें खाना परोसा। इस आयोजन को हिंदू और मुस्लिम पहचान के आधार पर बंटवारे के खिलाफ एकता का संदेश बताया गया। दावत के बाद सभी ने एक-दूसरे को गले लगाया और दोबारा कभी अलग न होने का संकल्प लिया। नौशाद ने इस कार्यक्रम में सीनियर आरएसएस प्रचारक और केंद्रीय पदाधिकारी विजय शर्मा को आमंत्रित किया था। उन्होंने नौशाद द्वारा अपने गोत्र (वंश) के नाम पर बनाई गई गौशाला का उद्घाटन किया और लाल बहादुर दुबे मार्ग का दौरा किया, जो उनके पूर्वज के नाम पर बनी गांव की एक सड़क है। विशाल भारत के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीगुरुजी ने अपनी जड़ों से फिर से जुड़ने के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि इससे लोगों को बिछड़े हुए रिश्तेदारों को फिर से खोजने में मदद मिलती है और देश का सामाजिक ताना-बाना मजबूत होता है। उन्होंने घोषणा की कि उनका संगठन ऐसे परिवारों को खोजने और उन्हें फिर से मिलाने की कोशिशें जारी रखेगा।

पहले प्रेमी के साथ भागी, 6 साल बाद लौटी ससुराल और अचानक बेटे को लेकर लापता हो गई बहू

(यंग भारत न्यूज)

आगरा: उत्तर प्रदेश के आगरा में हैरान करने वाला मामला सामने आया है। छह साल पहले पति और दो बच्चों को छोड़कर प्रेमी के साथ चली गई विवाहिता अचानक 10 दिन पहले ससुराल लौट आई।

पति और बच्चों के साथ उसने वक्त बिताया। सास का भरोसा भी जीता। अचानक फिर से वह अपने 8 साल के बच्चे को लेकर घर से गायब हो गई। पीड़ित सास का आरोप है कि उसकी बहू घर से 40 हजार नकद और 2 लाख रुपये के सोने-चांदी के जेवर ले गई है। महिला ने पुलिस आयुक्त और थाना पुलिस से शिकायत कर नाती को वापस दिलाने की गुहार लगाई है। हरीचंदी का बाड़ा निवासी शीला देवी ने बताया कि उसके बेटे ललित राठौर की शादी वर्ष 2013 में मथुरा के गोवर्धन निवासी काजल से हुई थी। दोनों के दो बच्चे हैं। शीला का आरोप है कि उनके घर जयकिशन उर्फ किन्नू का आना-जाना था। इसी दौरान काजल और जयकिशन के बीच प्रेम संबंध हो गए। करीब छह साल पहले काजल दोनों बच्चों और पति को छोड़कर जयकिशन के साथ चली गई। शीला ने बताया कि छह साल बाद काजल ने उनसे दोबारा संपर्क किया। उसने जयकिशन पर उत्पीड़न और दूसरे लोगों द्वारा शोषण किए जाने की बात बताई। बहू की बातों पर भरोसा करते हुए शीला उसे 22 सितंबर को अपने घर ले आई। करीब 10 दिन तक काजल ससुराल में रही। इस दौरान परिवार को लगा कि पुरानी बातों को पीछे छोड़कर वह दोबारा घर बसाना चाहती है, लेकिन उसकी मंशा कुछ और ही थी। शीला का कहना है कि शनिवार तड़के करीब तीन से चार बजे के बीच काजल आठ वर्षीय नाती हिमांशु को साथ लेकर घर से निकल गई। आरोप है कि जाते समय वह घर में रखे 40 हजार रुपये और करीब दो लाख रुपये के सोने-चांदी के जेवर भी ले गई। शीला ने कहा कि बहू के चले जाने से ज्यादा चिंता उन्हें नाती की है। जब काजल छह साल पहले घर छोड़कर गई थी, तब हिमांशु महज दो साल का था। इसके बाद से उसकी परवरिश उन्होंने ही की है। अब बच्चे को साथ ले जाने से वह परेशान हैं। शीला ने मामले की शिकायत थाना पुलिस के साथ पुलिस आयुक्त से भी की है। स्थानीय पुलिस का कहना है कि शिकायत के आधार पर मामले की जांच की जा रही है। बच्चे की तलाश और लगाए गए आरोपों की भी जांच की जा रही है।

खेत में घास काट रही थी सोनी, पीछे से चुपके से पहुंचा जेठ... 9 बीघा जमीन के विवाद में नेपाल सिंह ने कुल्हाड़ी से मारकर कर दी हत्या!

(यंग भारत न्यूज)

प्रदेश के फिरोजाबाद में जमीन के विवाद में 38 साल की महिला की हत्या का मामला सामने आया है. नगला खंगर थाना क्षेत्र के कोरारी खेड़ा गांव में सोनी खेत में घास काटने गई थी, लेकिन वापस घर नहीं लौटी. आरोप है कि उसके जेठ नेपाल सिंह ने कुल्हाड़ी से उसके सिर पर वार कर दिया, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई. परिजनों ने हत्या के पीछे नौ बीघा जमीन का विवाद बताया है. घटना के बाद आरोपी फरार हो गया, जिसकी गिरफ्तारी के लिए पुलिस ने दो टीमें लगाई हैं. मामला कोरारी खेड़ा गांव का है. 38 साल की सोनी रोजमर्रा की तरह खेत पर काम करने गई थी. बताया गया है कि वह खेत में घास काट रही थी. इसी दौरान उसका जेठ नेपाल सिंह वहां पहुंचा. आरोप है कि उसने सोनी पर कुल्हाड़ी से हमला कर दिया. कुल्हाड़ी का वार उसके सिर पर किया गया. गंभीर चोट लगने से सोनी की मौके पर ही मौत हो गई. वारदात के बाद नेपाल सिंह वहां से फरार हो गया. घटना की जानकारी मिलने पर गांव में हड़कंप मच गया और पुलिस मौके पर पहुंची.

परिवार के मुताबिक, सोनी की शादी साल 1998 में संदीप से हुई थी. दोनों का 13 साल का एक बेटा है. कुछ समय पहले एक हादसे के बाद संदीप की मानसिक स्थिति ठीक नहीं रह गई थी. इसके बाद परिवार की जिम्मेदारियां काफी हद तक सोनी के कंधों पर आ गई थीं. वह घर संभालने के साथ खेत का काम भी देखती थी. खेत पर जाना, वहां काम करना और जमीन की देखरेख करना उसकी दिनचर्या का हिस्सा था. इसी वजह से जमीन से जुड़े मामलों में भी उसकी भूमिका अहम हो गई थी. मृतका के भाई अमृतलाल इटावा के सैफई के रहने वाले हैं. उन्होंने पुलिस को दी गई तहरीर में अपनी बहन की हत्या के पीछे जमीन विवाद को वजह बताया है. अमृतलाल का आरोप है कि नेपाल सिंह की नजर अपने छोटे भाई के हिस्से की नौ बीघा जमीन पर थी. उनके मुताबिक, नेपाल सिंह चाहता था कि सोनी खेत पर न जाए और वहां काम न करे. परिवार का आरोप है कि सोनी के खेत पर रहने और जमीन की देखरेख करने की वजह से उसके लिए जमीन पर कब्जा करना मुश्किल था. परिजनों के आरोप के मुताबिक जिस समय सोनी खेत में घास काट रही थी, उसी दौरान नेपाल सिंह ने उस पर हमला किया. आरोप है कि उसने कुल्हाड़ी से सोनी के सिर पर वार किया. हमला इतना गंभीर था कि उसकी मौके पर ही मौत हो गई. घटना के बाद आरोपी वहां से भाग गया. पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है. शुरुआती जांच और परिजनों की ओर से लगाए गए आरोपों के आधार पर नेपाल सिंह का नाम सामने आया है. पुलिस ने उसके खिलाफ नामजद केस दर्ज किया है. सोनी की हत्या की जानकारी मिलने के बाद पुलिस टीम घटनास्थल पर पहुंची. पुलिस ने मामले की पड़ताल शुरू की और परिजनों से भी जानकारी ली. मृतका के भाई अमृतलाल ने अपनी तहरीर में जमीन विवाद से जुड़ी पूरी बात पुलिस को बताई है. इसी तहरीर के आधार पर नेपाल सिंह के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है. घटना के बाद से आरोपी फरार है. पुलिस अब उसके संभावित ठिकानों का पता लगाने की कोशिश कर रही है, ताकि उसे गिरफ्तार किया जा सके. सोनी की हत्या के मामले में पुलिस ने आरोपी नेपाल सिंह की गिरफ्तारी के लिए दो टीमें गठित की हैं. पुलिस की टीमें संभावित ठिकानों पर लगातार दबिश दे रही हैं.

पीस कमेटी की बैठक में अधिकारियो के न आने से गुस्साए रामलीला व देवी पंडाल के लोगो ने बैठक का किया बहिष्कार

रामलीला समिति ने उच्चाधिकारियो की शिकायत

(यंग भारत न्यूज)

कोंच आगामी दिनों में होने वाले त्योहारों रामलीला और नवरात्र को सकुशल संपन्न कराने के लिए बुलाई गई बैठक अधिकारियों के न आने से नहीं हो सकी। गुस्साए रामलीला समिति के लोगों और देवी जागरण मंचों के कार्यकर्ताओं ने बैठक का वहिष्कार कर दिया और उठ कर चले गए ।हुआ यूं

कोतवाली में रविवार शाम शांति समिति की बैठक बुलाई गई थी ।जिसकी सूचना रामलीला समिति व देवी पंडाल के लोगो को दूरभाष के माध्यम से दी गयी थी ।बैठक का एजेंडा साफ था कि आने वाले दिनों में होने वाले त्योहारों रामलीला और नवरात्र में व्यवस्थाएं बिल्कुल चुस्त दुरुस्त रहें और लोगों से चर्चा के बाद जो भी कमियां हों उन्हें दूर किया जा सके। रामलीला और देवी जागरण मंचों से जुड़े करीब आधा सैकड़ा लोग समय से कोतवाली पहुंच गए, पालिकाध्यक्ष प्रदीप गुप्ता भी बैठक में मौजूद थे, लेकिन वहां कोई वरिष्ठ अधिकारी जब काफी देर तक नहीं पहुंचा और ले-देकर जो अतिरिक्त निरीक्षक कामता प्रसाद मौजूद भी थे तो वह एकांत में किसी से फोन पर बतियाते रहे। नागरिकों को यह स्थिति काफी नागवार गुजरी, उन्होंने बैठक का वहिष्कार कर दिया और कोतवाली से निकल गए। इस स्थिति को लेकर रामलीला समिति के अध्यक्ष राजीव पटेल बॉबी और मंत्री शैलेष सोनी का कहना था कि लोग अपने कीमती समय में से समय निकाल कर आए ताकि त्योहार सकुशल संपन्न हो सकें लेकिन अधिकारियों का रवैया ठीक नहीं है, इसकी शिकायत उन्होने जिलाधिकारी से भी की ।रामलीला समिति के मंत्री शैलेष सोनी ने कहा जव अधिकारियो को बैठक में रहने के लिए समय नही है तो हम लोगो को बुलाने की क्या आवश्यकता थी।

कांग्रेस का एक और सियासी पैंतरा, ओवैसी-चंद्रशेखर के बाद स्वामी प्रसाद मौर्य क्यों पहुंचे राहुल के चौखट पर?

(यंग भारत न्यूज)

यूपी चुनाव 2027 से पहले एक नया राजनीतिक घटनाक्रम दिल्ली में हुआ है. बीएसपी, भारतीय जनता पार्टी और समाजवादी पार्टी के चौखट से गुजरते हुए स्वामी प्रसाद मौर्य अब राहुल गांधी के चौखट पर पहुंच गए हैं.

यूपी चुनाव 2027 से पहले स्वामी प्रसाद मौर्य ने एक बार फिर अपना नया राजनीतिक दांव चला है. शनिवार को दिल्ली में लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी से मुलाकात के बाद अपनी पार्टी 'अपनी जनता पार्टी' के राष्ट्रीय अध्यक्ष स्वामी प्रसाद मौर्य ने औपचारिक ऐलान कर दिया कि उनकी पार्टी अब इंडिया गठबंधन का हिस्सा बनेगी. बता दें कुछ दिन पहले ही मौर्य ने एआईएमआईएम चीफ असदुद्दीन ओवैसी और आजाज समाज पार्टी के अध्यक्ष और नगीना सांसद चंद्रशेखर आजाद से भी मिले थे. ऐसे में सवाल यह है कि स्वामी प्रसाद मौर्य किस रणनीति के तहत राहुल गांधी से मिले हैं? इसका यूपी चुनाव 2027 पर क्या असर पड़ेगा? स्वामी प्रसाद मौर्य का यह रुख उत्तर प्रदेश के बदलते राजनीतिक समीकरणों की गवाही दे रहा है. समाजवादी पार्टी से इस्तीफा देकर अपनी नई पार्टी बनाने वाले मौर्य बीते कुछ समय से तीसरे मोर्चे और मजबूत गठजोड़ की तलाश में थे. कुछ ही दिनों पहले स्वामी प्रसाद मौर्य ने हैदराबाद के सांसद असदुद्दीन ओवैसी से मुलाकात की थी, जिससे कयास लगाए जा रहे थे कि वे मुस्लिम-ओबीसी के नाम पर यूपी में कोई अलग तीसरा मोर्चा खड़ा कर सकते हैं. इसके बाद वह चंद्रशेखर आजाद से भी कुछ दिन पहले मिले थे. फिर अचानक राहुल गांधी के चौखट पर क्यों पहुंच गए? ओवैसी से मुलाकात के बाद मौर्य ने सीधा राष्ट्रीय नेतृत्व का रुख किया और दिल्ली पहुंचकर राहुल गांधी से मुलाकात की. मुलाकात के बाद स्वामी प्रसाद मौर्य ने कहा, 'हमारी पार्टी अपनी जनता पार्टी अब इंडिया गठबंधन में शामिल हो रही है. सीटों के बंटवारे और भावी रणनीति पर बाद में विस्तार से चर्चा होगी. हमारा एकमात्र लक्ष्य बीजेपी हटाओ, देश बचाओ और संविधान बचाओ है. जिस तरह राहुल गांधी देश स्तर पर दलित, पिछड़े और अल्पसंख्यकों की आवाज उठा रहे हैं, हम भी यूपी में उसी विचार को आगे बढ़ाएंगे.' यूपी चुनाव 2027 में मौर्य-शाक्य-कुशवाहा वोट बैंक काफी मायने रखता है. खासकर पूर्वांचल और बुंदेलखंड की 30-40 सीटों पर मौर्य-कुशवाहा समाज का असरदार प्रभाव है. मौर्य इस कैडर को भुनाना चाहते हैं. सपा छोड़ने के बाद अखिलेश से बनी दूरी को देखते हुए मौर्य ने सीधे कांग्रेस के रास्ते इंडिया गठबंधन में जगह बनाई है. राहुल गांधी द्वारा जातीय जनगणना और पिछड़ा वर्ग के मुद्दों को उठाने की रणनीति में स्वामी प्रसाद मौर्य एक आक्रामक चेहरा बन सकते हैं.पहले स्वामी प्रसाद मौर्य ने यूपी चुनाव में तीसरा मोर्चा बनाने का दावा किया था. स्वामी प्रसाद मौर्य की इस एंट्री से उत्तर प्रदेश में इंडिया ब्लॉक के भीतर एक नया समीकरण जन्म ले सकता है. सपा में रहते हुए मौर्य के विवादित बयानों को लेकर अखिलेश यादव और मौर्य के बीच दरार आ गई थी. अब कांग्रेस के कोटे से गठबंधन में आकर मौर्य सपा के साथ सीट-शेयरिंग टेबल पर मोलभाव करने की स्थिति में आ जाएंगे. अगर मौर्य अलग चुनाव लड़ते तो गठबंधन के वोटों में बिखराव होता. अब इंडिया ब्लॉक में आने से कांग्रेस और सपा दोनों को इस वोट बैंक के एकजुट रहने का फायदा मिलने की उम्मीद है. बहुजन राजनीति से निकलकर हिंदुत्व के खिलाफ आक्रामक रुख अपनाने वाले स्वामी प्रसाद मौर्य के इस कदम ने साफ कर दिया है कि वे 2027 के यूपी रण में खुद को गैर-यादव ओबीसी वर्ग का सबसे मुखर चेहरा बनाकर पेश करना चाहते हैं. अब देखना होगा कि सपा-कांग्रेस के सीट-शेयरिंग फार्मूले में स्वामी प्रसाद मौर्य की अपनी जनता पार्टी को कितनी सीटें मिलती हैं.

प्रधान/प्रशासक संघ महेवा की नई कार्यकारिणी गठित

-पवनदीप निषाद अध्यक्ष, राजेश कुमार सचिव/महामंत्री और अरुण सोनी कोषाध्यक्ष बने
-ग्राम प्रधानों की समस्याओं के समाधान को लेकर बैठक में कई महत्वपूर्ण प्रस्ताव पारित

(यंग भारत न्यूज)

कालपी (जालौन)। रविवार, 4 अक्टूबर 2026 को ग्राम पंचायत सिम्हारा कासिमपुर, विकासखंड महेवा, जनपद जालौन के पंचायत कार्यालय में प्रधान/प्रशासक संघ महेवा की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता संघ के नवनिर्वाचित अध्यक्ष पवनदीप निषाद, प्रधान कीरतपुर ने की। बैठक में ग्राम प्रधानों एवं प्रशासकों की विभिन्न समस्याओं पर विस्तार से चर्चा करते हुए उनके समाधान की रणनीति तैयार की गई तथा कई महत्वपूर्ण प्रस्ताव सर्वसम्मति से पारित किए गए।

बैठक के दौरान प्रधान/प्रशासक संघ महेवा की नई कार्यकारिणी का गठन किया गया। इसमें राजेश कुमार, प्रधान सरसई को सचिव/महामंत्री तथा अरुण सोनी, प्रधान खैरई को कोषाध्यक्ष बनाया गया। वहीं शैलेंद्र सिंह, प्रधान बम्हौरी; कमलकांत, प्रधान जीतामऊ; शिवदीप, प्रधान पिथऊपुर; गजराज सिंह, प्रधान सिमरा शेखपुर तथा उदयवीर, प्रधान शाहजहांपुर को उपाध्यक्ष की जिम्मेदारी सौंपी गई। बाल सिंह निषाद, प्रधान देवकली; श्रीमती नीरज देवी, प्रधान सरेनी; श्रीमती दीप्ती राठौर, प्रधान सिम्हारा कासिमपुर तथा श्रीमती किरन देवी, प्रधान मलथुआ को मंत्री बनाया गया। पानसिंह निषाद, प्रधान पाल को संगठन मंत्री तथा मथुरा प्रसाद (कल्लू), प्रधान अटरा खुर्द को मीडिया प्रभारी की जिम्मेदारी दी गई। इसके अलावा रविंद्र सिंह चौहान, प्रधान सिकरी रहमानपुर; श्रीमती सुमन देवी, प्रधान मैनपुर के प्रतिनिधि बबलू महाराज; श्रीमती राजकुमारी, प्रधान दमरास के प्रतिनिधि श्यामसुंदर शर्मा; दिनेश कुमार यादव, प्रधान बैरई; श्रीमती उर्मिला चौहान, प्रधान लोना के प्रतिनिधि वीर सिंह; श्रीमती सावित्री देवी, प्रधान धामनी के प्रतिनिधि चंद्रपाल गुर्जर; श्रीमती मुन्नी देवी, प्रधान हथनोरा के प्रतिनिधि महेंद्र पाल; इंद्रपाल सिंह चौहान, प्रधान महेवा; रामबाबू निषाद, प्रधान शेखपुर गुढ़ा; मानसिंह, प्रधान सरसेला; श्रीमती सविता देवी, प्रधान जरारा के प्रतिनिधि अनुज कुमार; महादेव, प्रधान निपनिया; श्रीमती किशोरी देवी, प्रधान दहेलखंड के प्रतिनिधि नरेश कुमार; देवदत्त, प्रधान खड़गुई; श्रीमती राजकुमारी, प्रधान रिनिया बैदेपुर के प्रतिनिधि नन्हे तथा राजू सिंह, प्रधान गढ़गुआं कुटरा और शिवदास, प्रधान उरकला कला को संरक्षक बनाया गया। शेष सभी ग्राम प्रधानों को संघ में वरिष्ठ सदस्य एवं सदस्य की जिम्मेदारी दी गई।नवनियुक्त कार्यकारिणी के पदाधिकारियों, सदस्यों एवं संरक्षकों का फूल-मालाओं से स्वागत किया गया। संघ अध्यक्ष पवनदीप निषाद ने सभी नवनियुक्त पदाधिकारियों को शुभकामनाएं देते हुए संगठन को मजबूत बनाने तथा ग्राम प्रधानों की समस्याओं के समाधान के लिए एकजुट होकर कार्य करने का आह्वान किया। बैठक में ग्राम प्रधानों के समक्ष आ रही विभिन्न समस्याओं, विकास कार्यों, भुगतान सहित अन्य मामलों पर विस्तार से चर्चा की गई। उनके निराकरण के लिए आवश्यक कदम उठाने की रणनीति भी तैयार की गई। विशेष रूप से नमामि गंगे योजना के अंतर्गत हर घर जल योजना के तहत ग्राम पंचायतों में खोदी गई सड़कों की मरम्मत एवं क्षतिग्रस्त मार्गों के मुद्दे पर गंभीरता से चर्चा हुई। इस संबंध में संबंधित अधिकारियों को ज्ञापन सौंपकर शीघ्र समाधान कराने का निर्णय लिया गया।बैठक में उपस्थित प्रधानों ने संगठन की एकता और आपसी सहयोग को मजबूत बनाए रखने पर जोर दिया। अध्यक्ष पवनदीप निषाद ने कहा कि संघ ग्राम प्रधानों की समस्याओं को मजबूती से संबंधित अधिकारियों के समक्ष रखेगा और उनके समाधान के लिए लोकतांत्रिक एवं संगठित तरीके से प्रयास किए जाएंगे। बैठक के अंत में सभी सदस्यों ने संगठन को मजबूत बनाने तथा ग्राम पंचायतों के विकास से जुड़े मुद्दों को प्राथमिकता के साथ उठाने का संकल्प लिया।

अन्याय के खिलाफ आवाज बुलंद करने और संगठन को मजबूत करने का लिया संकल्प

(यंग भारत न्यूज)

उरई (जालौन)। राष्ट्रीय ओलमा कौंसिल ने रविवार को अपने 18वें स्थापना दिवस का आयोजन करमेर रोड स्थित विंदा पैलेस में किया। कार्यक्रम में जिले के प्रमुख पदाधिकारी और कार्यकर्ता शामिल हुए। इस दौरान वक्ताओं ने संगठन के 18 वर्षों के सफर पर चर्चा करते हुए सामाजिक सद्भाव, शिक्षा, जागरूकता और जनहित के मुद्दों को प्रमुखता से उठाने पर जोर दिया।

कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए राष्ट्रीय ओलमा कौंसिल के प्रदेश सचिव एवं बुंदेलखंड प्रभारी एडवोकेट मुबारक खान ने कहा कि राष्ट्रीय अध्यक्ष मौलाना आमिर रशादी मदनी के नेतृत्व में संगठन ने पिछले 18 वर्षों से अन्याय के खिलाफ आवाज उठाने और लोगों को अपने अधिकारों के प्रति जागरूक करने का काम किया है। उन्होंने कहा कि अब संगठन को और मजबूत करने के लिए कार्यकर्ताओं को जमीनी स्तर पर सक्रिय भूमिका निभानी होगी। उन्होंने सामाजिक सद्भाव को संगठन के प्रमुख कार्यों में शामिल करते हुए सभी वर्गों और धर्मों के बीच भाईचारा बढ़ाने तथा नफरत के बजाय संवाद को प्राथमिकता देने की बात कही। उन्होंने शिक्षा एवं जागरूकता पर जोर देते हुए युवाओं और छात्रों को संवैधानिक अधिकारों, आरक्षण तथा शिक्षा के महत्व के प्रति जागरूक करने की आवश्यकता बताई। मुबारक खान ने कहा कि जनहित से जुड़े मुद्दों को लेकर संगठन आगे भी लोकतांत्रिक तरीके से अपनी आवाज उठाता रहेगा। दलित-मुस्लिम-ईसाई आरक्षण, महंगाई, बेरोजगारी और बुलडोजर कार्रवाई जैसे मुद्दों पर ज्ञापन एवं आंदोलनों के माध्यम से लोगों की समस्याओं को सामने लाने की बात कही। उन्होंने युवाओं को राजनीति और समाजसेवा में आगे आने का आह्वान करते हुए कहा कि जमीनी स्तर पर लोगों से संवाद कर उनकी समस्याएं सुनना और संगठन के मंच से उन्हें उठाना जरूरी है। उन्होंने कहा कि बुंदेलखंड में राष्ट्रीय ओलमा कौंसिल की पहचान विभिन्न जनहित के आंदोलनों और मुद्दों को उठाने से बनी है। बटला हाउस एनकाउंटर की जांच, उरई जेल कांड में दोषियों के खिलाफ कार्रवाई, 10 अगस्त को 'अन्याय दिवस' तथा छात्रों से जुड़े आंदोलनों का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि संगठन शांतिपूर्ण तरीके से अन्याय के खिलाफ आवाज उठाने के पक्ष में रहा है। इस दौरान जालौन जिलाध्यक्ष मु. सलीम भंडारी ने सभी कार्यकर्ताओं से एकजुट होकर संगठन को मजबूत करने की अपील की। उन्होंने कार्यक्रम में पहुंचे पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं का स्वागत करते हुए सभी का आभार जताया।

जानवर चराने गए 80 वर्षीय किसान लापता, नदी किनारे मिले कपड़े और जूते

नून नदी में डूबने की आशंका, एनडीआरएफ टीम ने शुरू किया सर्च ऑपरेशन

(यंग भारत न्यूज)

उरई (जालौन) कालपी तहसील क्षेत्र के ग्राम मंगरौल निवासी करीब 80 वर्षीय किसान रामासरे पांडेय जानवर चराने के लिए गए थे, लेकिन इसके बाद वह अचानक लापता हो गए। काफी तलाश के बाद भी उनका कोई सुराग नहीं मिला। नून नदी के किनारे उनके कपड़े और जूते मिलने से नदी में डूबने की आशंका जताई जा रही है।

घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जानकारी उच्चाधिकारियों को दी। इसके बाद एनडीआरएफ टीम की मदद से नून नदी में किसान की तलाश शुरू कराई गई। टीम नदी में लगातार सर्च ऑपरेशन चलाकर किसान का पता लगाने का प्रयास कर रही है। इधर, घटना की जानकारी मिलते ही परिजनों में कोहराम मच गया। ग्रामीण भी बड़ी संख्या में मौके पर पहुंच गए और किसान की सकुशल बरामदगी की उम्मीद लगाए हुए हैं। पुलिस और एनडीआरएफ की टीम नदी के आसपास के संभावित स्थानों पर भी तलाश कर रही है। मामला कालपी कोतवाली क्षेत्र के मंगरौल गांव स्थित नून नदी का बताया जा रहा है।

पेट्रोल पंप से चार सीसी कैमरे चोरी, डीवीआर में कैद हुई पूरी वारदात

नदीगांव कस्बे में बेखौफ चोरों ने दिया वारदात को अंजाम, पुलिस ने दर्ज किया मुकदमा

(यंग भारत न्यूज)

नदीगांव (जालौन)। नदीगांव कस्बे में चोरों के हौसले बुलंद हैं। चोरों ने भारत पेट्रोल पंप को निशाना बनाते हुए करीब 20 हजार रुपये कीमत के चार सीसी कैमरे चोरी कर लिए। खास बात यह है कि चोरों की पूरी करतूत पेट्रोल पंप पर लगे कैमरों के डीवीआर में कैद हो गई।

बताया गया कि चोरों ने पेट्रोल पंप परिसर में लगे चार सीसी कैमरों को निशाना बनाया और उन्हें चोरी कर ले गए। घटना की जानकारी होने पर पेट्रोल पंप संचालक ने मामले की सूचना पुलिस को दी और तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की। तहरीर के आधार पर नदीगांव पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर लिया है। पुलिस अब डीवीआर में सुरक्षित फुटेज को खंगालकर चोरों की पहचान करने में जुटी है। पुलिस का कहना है कि फुटेज के आधार पर आरोपियों की पहचान कर उनकी गिरफ्तारी के प्रयास किए जा रहे हैं। घटना के बाद पेट्रोल पंप संचालकों में भी सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ गई है।

छात्र नौजवानों को एकजुट करके अखिलेश यादव को बनाएंगे मुख्यमंत्री - आशिब मंसूरी

(यंग भारत न्यूज)

उरई (जालौन)। छात्र नौजवानों को एकजुट कर विधानसभा चुनाव 2027 में समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव को उत्तर प्रदेश का मुख्यमंत्री बनाएंगे उक्त बात समाजवादी पार्टी छात्र सभा के नव नामित प्रदेश उपाध्यक्ष आसिब मंसूरी ने आज समाजवादी पार्टी कार्यालय उरई में प्रेस वार्ता के दौरान पत्रकारों से कहीं। उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव, प्रदेश अध्यक्ष श्यामलाल पाल की संस्तुति पर छात्र सभा के प्रदेश अध्यक्ष इंजीनियर विनीत कुशवाहा ने उन्हें प्रदेश उपाध्यक्ष पद पर नामित कर जो जिम्मेदारी सौंपी है। वे पूरी निष्ठा और ईमानदारी के साथ छात्र और नौजवानों को एकजुट करने का काम करेंगे और विधानसभा चुनाव 2027 में समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव को प्रदेश का मुख्यमंत्री बनाने में पूरी ताकत झोंक देंगे। वही सांसद नारायण दास अहिरवार ने नव नामित प्रदेश उपाध्यक्ष आसिब मंसूरी को आशीर्वाद देते हुए कहा कि वे पूरा सहयोग करेंगे। उन्होंने संगठन को मजबूत करने तथा ईमानदारी व निष्ठा से कार्य करने की सलाह दी। अंत में उन्होंने उपस्थित पार्टी के वरिष्ठ नेताओं कार्यकर्ताओं व छात्र सभा के कार्यकर्ताओं का धन्यवाद व आभार व्यक्त किया। उन्होंने समाजवादी पार्टी को मजबूत करने के लिए अपना दृश्य संकल्प लिया। इस मौके पर जिला महासचिव जमालुद्दीन, जिला प्रवक्ता महेश चंद्र विश्वकर्मा, नगर अध्यक्ष इमरान उल्ला,और रश्मि पाल, दीप शिखा श्रीवास, अमीन खान, नेतराम निरंजन ,प्रताप सिंह यादव,युवजन सभा के जिला अध्यक्ष सिद्धार्थ यादव, यूथ ब्रिगेड के जिला अध्यक्ष अरशद कादरी, छात्र सभा की जिला अध्यक्ष रामानंद कुशवाहा, बाबा बहिनी के जिला अध्यक्ष मयंक जाटव ,अनुसूचित जाति के जिला अध्यक्ष बृजेंद्र दोहेरे, माधव कुशवाहा, मुलायम सिंह कुशवाहा, राज वर्मा, मोहित दुबे, कान्हा कुशवाहा, लाल सिंह पांचाल, मुकेश पांचाल, लकी बाबा, रशीद मंसूरी, आमिर अंसारी, समीर अहमद, संदीप कुमार ,बिलाल सिद्दीकी ,कामरान भाई ,शानू भाई, अमन, स्वेज मंसूरी, विशाल जाटव सहित सैकड़ो कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

गैंगस्टर एक्ट में वांछित बड़े सिंह को नदी गाँव पुलिस ने किया गिरफ्तार

(यंग भारत न्यूज)

उरई । पुलिस अधीक्षक जालौन के निर्देशन में वांछित/वारण्टी अपराधियों की धरपकड़ हेतु चलाए जा रहे अभियान के तहत थाना सिरसाकलार पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। पुलिस टीम ने गैंगस्टर एक्ट में वांछित 01 अभियुक्त को गिरफ्तार कर न्यायिक अभिरक्षा में भेजा है।

पुलिस के अनुसार, दिनांक 04.10.2026 को थाना सिरसाकलार पुलिस टीम द्वारा थाना सिरसाकलार में पंजीकृत मु0अ0सं0-104/2026 धारा 2/3 गैंगस्टर एक्ट में वांछित अभियुक्त बड़े सिंह पुत्र रामप्रकाश निवासी ग्राम बैनौरा थाना माधौगढ़ जनपद जालौन को गिरफ्तार किया गया है।

यह कार्रवाई अपर पुलिस महानिदेशक महोदया, कानपुर जोन, कानपुर एवं पुलिस महानिरीक्षक महोदय, झाँसी परिक्षेत्र, झाँसी के निर्देशन में पुलिस अधीक्षक जालौन के पर्यवेक्षण तथा अपर पुलिस अधीक्षक जालौन के नेतृत्व में की गई। गिरफ्तार अभियुक्त का नाम बड़े सिंह पुत्र रामप्रकाश उम्र करीब 36 वर्ष निवासी ग्राम बैनौरा थाना माधौगढ़ जनपद जालौन बताया गया है,अभियुक्त का पुराना आपराधिक इतिहास रहा है अभियुक्त के विरुद्ध जनपद के विभिन्न थानों में कुल 08 अभियोग पंजीकृत हैं -

भाजपा के साथ मजबूती से खड़ा है पिछड़ा वर्ग : मनोज राजपूत

पिछड़ा वर्ग मोर्चा के क्षेत्रीय अध्यक्ष के प्रथम जिला आगमन पर कार्यकर्ताओं ने किया भव्य स्वागत

(यंग भारत न्यूज)

उरई, जालौन। भाजपा पिछड़ा वर्ग मोर्चा कानपुर-बुंदेलखंड क्षेत्र के क्षेत्रीय अध्यक्ष की जिम्मेदारी दोबारा मिलने के बाद मनोज राजपूत रविवार को पहली बार जालौन पहुंचे। उनके जिला आगमन पर भाजपा पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने जगह-जगह स्वागत किया। दोबारा जिम्मेदारी मिलने से कार्यकर्ताओं में उत्साह दिखाई दिया। मनोज राजपूत ने जिला आगमन पर मौनी मंदिर पहुंचकर स्वामी ब्रह्मानंद की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया और आशीर्वाद लिया। इसके बाद भाजपा कार्यालय तथा राधाकृष्ण इंटर कॉलेज में कार्यकर्ताओं ने उनका स्वागत और सम्मान किया। कार्यक्रम में सदर विधायक गौरीशंकर वर्मा का विशेष सहयोग रहा। इस दौरान मनोज राजपूत ने कहा कि 2027 के विधानसभा चुनाव में पिछड़ा वर्ग पूरी मजबूती के साथ भाजपा के साथ खड़ा है। उन्होंने दावा किया कि इस बार 80 प्रतिशत से अधिक पिछड़ा समाज भाजपा के समर्थन में है। सपा पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी का पीडीए समय-समय पर बदलता रहता है। कभी पंडित तो कभी पिछड़ा वर्ग की बात की जाती है। उन्होंने कहा कि भाजपा पिछड़े समाज के हित और विकास के लिए लगातार काम कर रही है। पिछड़ा वर्ग के वास्तविक हितों को भाजपा ही सुनिश्चित कर सकती है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से आगामी विधानसभा चुनाव को देखते हुए संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत करने का आह्वान किया। मनोज राजपूत के पुन: क्षेत्रीय अध्यक्ष बनने पर कार्यकर्ताओं ने उन्हें शुभकामनाएं दीं और आगामी विधानसभा चुनाव में संगठन को मजबूत करने का संकल्प लिया। इस मौके पर विधायक गौरीशंकर वर्मा, ब्रजभूषण मुन्नू, शैलेंद्र राजपूत, मंगल राजपूत, धीरेंद्र राजपूत, गुलाब राजपूत,भूषण राजपूत, शीतल कुशवाहा,अनिता वर्मा, इंद्रराज गुर्जर, कृष्ण कुमार, बांके बिहारी, राजकुमार,श्याम किशोर बुधौलिया,आशाराम,रामकुमार, रघुवीर,रामसहारे समेत बड़ी संख्या में भाजपा पदाधिकारी और कार्यकर्ता मौजूद रहे।

अलमारी में बैठा मिला विशाल घोड़ा पछाड़ सांप

बच्चों की नजर पड़ी तो मची चीख-पुकार

(यंग भारत न्यूज)

उरई (जालौन)। जालौन तहसील क्षेत्र के ग्राम छिरिया सलेमपुर में रविवार दोपहर उस समय हड़कंप मच गया, जब लछीराम रजक के घर की अलमारी में एक विशाल घोड़ा पछाड़ सांप बैठा दिखाई दिया। सांप को देखते ही घर में मौजूद बच्चों और परिजनों में चीख-पुकार मच गई।

बताया गया कि दोपहर करीब दो बजे परिवार के बच्चे कमरे में लेटे हुए थे। इसी दौरान अचानक उनकी नजर अलमारी के अंदर बैठे विशाल सांप पर पड़ी। सांप को देखते ही बच्चे घबरा गए और शोर मचा दिया। उनकी चीख-पुकार सुनकर परिजन भी मौके पर पहुंचे और अलमारी में सांप को देखकर दहशत में आ गए। परिजनों ने तत्काल इसकी सूचना पुलिस को दी। जानकारी मिलते ही डायल 112 पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति का जायजा लिया। घर के अंदर विशाल सांप मिलने की खबर आसपास के लोगों को हुई तो मौके पर ग्रामीणों की भीड़ जुट गई। फिलहाल सांप को सुरक्षित तरीके से घर से बाहर निकालने की कवायद की जा रही है। घर की अलमारी में इतने बड़े सांप के मिलने से परिवार के लोग दहशत में हैं, वहीं घटना पूरे गांव में चर्चा का विषय बनी हुई है।

गणित-विज्ञान में रुचि बढ़ाने को हुआ सनातन ओलंपियाड

सीबीएसई व विद्या भारती के विद्यालयों के 92 विद्यार्थियों ने लिया हिस्सा

(यंग भारत न्यूज)

उरई, जालौन। समग्र सनातन फाउंडेशन की ओर से गणित एवं विज्ञान में विद्यार्थियों की रुचि बढ़ाने और प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए उन्हें तैयार करने के उद्देश्य से सनातन ओलंपियाड का आयोजन किया गया। सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज झांसी रोड में हुई प्रतियोगिता में सीबीएसई बोर्ड और विद्या भारती के विभिन्न विद्यालयों के विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया।

प्रथम चरण में 100 विद्यार्थियों को शामिल करने का लक्ष्य रखा गया था, जिसके सापेक्ष 92 छात्र-छात्राओं ने परीक्षा दी। सुबह 10:30 से दोपहर 12:30 बजे तक हुई परीक्षा में गणित, विज्ञान, पर्यावरण संरक्षण, स्वास्थ्य एवं योग, वैज्ञानिक अवधारणाओं, भारतीय वैज्ञानिकों के योगदान, नैतिक मूल्यों, विद्यालय में छात्र-छात्राओं की सुरक्षा और सामान्य ज्ञान से जुड़े बहुविकल्पीय प्रश्न पूछे गए। सनातन ओलंपियाड समिति के कार्यकारी अध्यक्ष एवं समग्र सनातन फाउंडेशन के मानद निदेशक अरविंद कुमार स्वर्णकार ने कहा कि मौजूदा प्रतिस्पर्धा के दौर में कक्षा 10 के बाद इंजीनियरिंग और मेडिकल प्रवेश परीक्षाओं की तैयारी करने वाले विद्यार्थियों पर मानसिक दबाव रहता है। ओलंपियाड के माध्यम से विद्यार्थियों में विषयों की अवधारणात्मक समझ, तार्किक क्षमता, वैज्ञानिक दृष्टिकोण और आत्मविश्वास विकसित करने का प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि समाज के अति पिछड़े, पिछड़े, दलित, सुविधा वंचित और निर्धन विद्यार्थियों को भी अवसर देने के लिए प्रतियोगी परीक्षा निश्शुल्क कराई जा रही है। विद्यार्थियों को आधुनिक तकनीक, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और आइसीटी के माध्यम से गणित-विज्ञान की जटिल अवधारणाओं को सरल तरीके से समझाने पर भी जोर दिया जा रहा है। 30 अक्टूबर को होगा सम्मान समारोह। समिति की ओर से 30 अक्टूबर को गणित एवं विज्ञान में नवाचार व अभिमुखीकरण कार्यशाला आयोजित की जाएगी। इसमें नवीन शिक्षण तकनीकों का प्रयोग कर शिक्षण कार्य को प्रभावी बनाने वाले शिक्षकों को सम्मानित किया जाएगा। साथ ही प्रतिभाशाली विद्यार्थियों का मार्गदर्शन और प्रतिभा सम्मान समारोह भी होगा। कार्यक्रम में प्रधानाचार्य अतुल कुमार बाजपेयी, परीक्षा समन्वयक नीलेश राव, उपेंद्र शर्मा, दिनेश कुमार सोनी,पवन सोनी,रोहित कौशल, रवि सोनी, प्रशांत मौर्य, शैलेंद्र वर्मा,आशीष राजपूत,सुमित सोनी, शिरोमणि सोनी,मोहित मोहन और वंदना गौतम समेत टीम सनातन ओलंपियाड के सदस्यों ने सहयोग किया। विद्यार्थियों को परीक्षा संबंधी संसाधन उपलब्ध कराने के लिए प्रधानाचार्य अतुल कुमार बाजपेयी के सहयोग पर अरविंद कुमार स्वर्णकार ने आभार जताया।

नित्या मेहरोत्रा को स्वर्ण पदक मिलने पर डिस्ट्रिक्ट प्रेस क्लब ने दी बधाई

(यंग भारत न्यूज)

कालपी/जालौन बीते दिनों गोवा के कोलाबा बीच में आयोजित राष्ट्रीय योगासन प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त कर स्वर्ण पदक जीतने वाली कालपी की मेधावी छात्रा नित्या मेहरोत्रा को ऐतिहासिक उपलब्धि पर डिस्ट्रिक्ट प्रेस क्लब, कालपी के पत्रकारों ने उनके आवास पर पहुंचकर उनसे भेंट की और उन्हें भव्य रूप से सम्मान से नवाजा तथा उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं। डिस्ट्रिक्ट प्रेस क्लब के तहसील महामंत्री अमित यादव, नगर उपाध्यक्ष राजाबाबू ओमरे, पत्रकार अमीर हसन अंसारी आदि पत्रकारों ने नित्या की इस ऊंची उड़ान की सराहना करते हुए कहा कि उनकी इस सफलता पर पूरे कालपी नगर तथा जालौन जनपद को गर्व है।संगठन के सदस्यों व पत्रकारों से संवाद करते हुए नित्या मेहरोत्रा ने अपनी सफलता का श्रेय अपनी कड़ी मेहनत, अटूट लगन और परिवार के मार्गदर्शन को दिया। उन्होंने बताया यह जीत मेरे लिए सिर्फ एक मेडल नहीं है, बल्कि मेरी मेहनत, लगन और सपनों की सच्ची जीत है।नित्या ने अपने अगले लक्ष्यों के बारे में बताते हुए कहा कि उनका सपना भविष्य में इंटरनेशनल और एशियाई गेम्स में देश का प्रतिनिधित्व करना और वैश्विक स्तर पर नगर व जनपद का नाम चमकाना है। नित्या ने अपनी इंटरमीडिएट की परीक्षा कालपी के प्रतिष्ठित एमएसवी इंटर कॉलेज से उत्तीर्ण की है। वर्तमान में वह सुल्तानपुर से अपनी ग्रेजुएशन की पढ़ाई पूरी कर रही हैं। डिस्ट्रिक्ट प्रेस क्लब के सदस्यों ने विश्वास जताया कि नित्या अपनी मेहनत और दृढ़ संकल्प के बल पर भविष्य में देश का नाम और ऊंचा करेंगी और अन्य युवाओं के लिए प्रेरणा का स्रोत बनेंगी।

डीएम को शिकायती पत्र भेजकर बंदरों को पकड़वाने की मांग की

जिले के सभी नगरों में है खूँखार बंदरो का आतंक

(यंग भारत न्यूज)

जालौन-उरई । नगर में बंदरों का आतंक लगातार बढ़ता जा रहा है। अक्सर बंदर वृद्ध और बच्चों को परेशान करते हैं। कई बार बंदर लोगों को काटकर घायल कर देते हैं। नगर के वार्ड नंबर पांच मोहल्ला खंडेराव के सभासद ने डीएम को शिकायती पत्र भेजकर बंदरों को पकड़वाने की मांग की है।

नगर में बंदरों का आतंक बढ़ता जा रहा है। वार्ड नंबर पांच मोहल्ला खंडेराव के सभासद शैलेंद्र कुमार ने जिलाधिकारी समीर को शिकायती पत्र भेजकर बताया कि छोटे बच्चों को छत पर या आंगन में अकेला नहीं छोड़ सकते। बंदर कभी भी हमला कर देते हैं। डर के मारे बच्चे छत पर जाना ही छोड़ चुके हैं। बंदर घर की छत पर रखे कपड़े, सब्जी और राशन का सामान उठा ले जाते हैं। कई बार तो गैस सिलेंडर के पास रखे सामान को फेंककर खतरा पैदा कर देते हैं। महिलाएं दिन में छत पर घर के काम करने में डरती हैं कि बंदर कब आ जाए। वे ना सिर्फ सामान फेंकते हैं बल्कि हमला भी कर देते हैं। कई बार मोहल्लों में बंदर बच्चों को काट भी चुके हैं। बताया कि बंदरों को पकड़वाने के लिए कई बार मांग कर चुके हैं। लेकिन नगर में बंदरों से छुटकारा दिलाने के लिए कोई उपाय नहीं किया गया है। उन्होंने मांग करते हुए कहा कि नगर में बंदरों के आतंक से मुक्त करने के लिए बंदरों को पकड़वाया जाए ताकि बंदरों का आतंक कम हो सके।

क्षेत्र में दो कच्चे मकान भरभरा कर गिरे परिवार के लोग बचे बाल बाल, घर गृहस्थी हुई नष्ट

(यंग भारत न्यूज)

जालौन-उरई। पिछले दिनों लगातार हुई बारिश के चलते कच्चे मकान में आई नमी के कारण उनके गिरने का सिलसिला जारी है। शनिवार को शाम ब्लॉक क्षेत्र में दो कच्चे मकान भरभरा कर गिर गए। हादसे में परिवार के लोग तो बाल-बाल बच गए लेकिन मकान गिरने से गृहस्थी का सामान, अनाज और जरूरी सामान मलबे में दबकर खराब हो गया। पीड़ित परिवारों उन्हें आवास और मुआवजा दिलाने की मांग की है।

ब्लॉक क्षेत्र के ग्राम उदोतपुरा में मजदूर मदन सिंह का परिवार कच्चे मकान में रहता था। समय के साथ कच्च मकान जर्जर हो गए थे। बीते दिनों हुई दो दिन की लगातार बारिश के चलते उनके कचे मकान में नमी आ गई थी। शनिवार की शाम उनके मकान में आई नमी के चलते मकान अचानक से भरभरा कर ढह गया। हादसे के समय परिवार के सदस्य मकान के अंदर नहीं थे, जिससे बड़ा हादसा टल गया। मकान गिरने के बाद परिवार खुले आसमान के नीचे रहने को मजबूर है। मजदूर ने बताया कि मकान गिरने से परिवार के सामने सिर छिपाने का संकट आ खड़ा हुआ है। घर गृहस्थी का सामान भी नष्ट हो गया है। उन्होंने प्रशासन से परिवार को तत्काल राहत उपलब्ध कराने की मांग की है। साथ प्रधानमंत्री अथवा मुख्यमंत्री आवास योजना के तहत आवास उपलब्ध कराने की भी मांग की है।

प्रथम स्वतंत्रता संग्राम सेनानी एक्सप्रेस के संचालन को

लेकर प्रधानमंत्री कार्यालय में शिकायत दर्ज करायी

(यंग भारत न्यूज)

जालौन-उरई। झांसी-कानपुर रेल मार्ग से कोलकाता आने-जाने वाले यात्रियों की सुविधा को लेकर समाजसेवी ने प्रथम स्वतंत्रता संग्राम सेनानी एक्सप्रेस के संचालन को लेकर प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) में शिकायत दर्ज कराई है। उन्होंने ट्रेन के निरस्तीकरण के निर्णय पर पुनर्विचार करने अथवा यात्रियों के लिए वैकल्पिक रेल व्यवस्था उपलब्ध कराने की मांग की है।

कुठौंदा बुजुर्ग निवासी समाजसेवी गजेंद्र सिंह सेंगर ने प्रधानमंत्री कार्यालय को शिकायती पत्र भेजकर लिखा कि उन्हें जानकारी हुई है कि रेलवे द्वारा झांसी से कोलकाता प्रथम स्वतंत्रता संग्राम सेनानी एक्सप्रेस ट्रेन नंबर 22198 व कोलकाता से ट्रेन नंबर 22197 का संचालन 4 दिसंबर 2026 से 28 फरवरी 2027 तक निरस्त किया गया है। इससे इस रेल मार्ग पर यात्रा करने वाले यात्रियों को परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। इस ट्रेन से लोग प्रयागराज, पटना, कोतकाता आदि स्थानों के लिए यात्रा करते हैं। लगभग तीन माह तक ट्रेन निरस्त होने से इस मार्ग से यात्रा करने वाले लोगों को परेशानी होगी। उन्होंने मांग करते हुए कहा कि यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए उक्त अवधि में ट्रेन का संचालन जारी रखने के संबंध में विचार किया जाए। यदि संचालन जारी रखना संभव न हो तो यात्रियों के लिए वैकल्पिक रेल व्यवस्था उपलब्ध कराने के निर्देश संबंधित रेल अधिकारियों को दिए जाएं।

समाज का राजनीति पर पीएम, पत्रकारिता पर अधिक विश्वासः चौधरी भूपेंद्र सिंह

-एनयूजे की दो दिवसीय राष्ट्रीय परिषद योद्धा में शुरू

(यंग भारत न्यूज)

अयोध्या, 04 अक्टूबर 2026, उत्तर प्रदेश सरकार के कैबिनेट मंत्री चौधरी भूपेंद्र सिंह ने कहा है कि पत्रकारिता पर समाज का विश्वास कायम है। जबकि राजनेताओं पर विश्वास सबसे कम है। वे आज यहां हनुमान बाग आश्रम के सभागार में नेशनल यूनियन ऑफ जर्नलिस्ट्स (एनयूजे) की राष्ट्रीय परिषद बैठक में मुख्य अतिथि पद से विचार व्यक्त कर रहे थे।

राष्ट्रीय परिषद के उद्घाटन समारोह में श्री चौधरी ने कहा कि पत्रकारों की विभिन्न समस्याओं और मुद्दों पर आप दो दिन तक चर्चा करेंगे। आपका दायित्व चुनौती पूर्ण है। यह समय पत्रकारिता के लिए अति महत्व का है, क्योंकि ये डिजिटल और सोशल मीडिया का युग है। सूचनाओं का प्रवाह और गति अत्यधिक तीव्र है। ऐसे समय में आपका दायित्व और अधिक बढ़ जाता है। क्योंकि सच को उजागर करना, तथ्यों पर आधारित पत्रकारिता ही लोकतंत्र और सामाजिक एकता को मजबूत करती है। लेकिन सुनी हुई और बगैर तथ्यों की पत्रकारित समाज को नुकसान पहुंचा सकती है। अयोध्या में पांच सौ साल के संघर्ष के बाद भगवान श्रीराम जी का भव्य दिव्य मंदिर निर्मित हुआ है। इसके लिए लंबा आंदोलन चला, अदालती लड़ाई हुई। इस आंदोलन के दौरान पत्रकारों का सहयोग महत्वपूर्ण था। प्रिंट और इलेक्ट्रानिक मीडिया ने आंदोलन को मुखर किया और कवरेज में प्रमुखता दी। आंदोलन की सफलता का जब इतिहास लिखा जाएगा तब पत्रकारों के योगदान को भी लिखा जाएगा। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री माननीय योगी आदित्यनाथ जी महराज के नेतृत्व में अयोध्या सज रही है, नए रूप में संवर रही है। त्रेता कालीन युग का गौरव वापस लौट रहा है। कभी यहां राम विरोधियों ने आस्था पर कुठाराघात किया था। आज यहां दीपोत्सव होता है। उन्होंने कहा कि भाजपा का कोई हिडेन एजेंडा नहीं है। भाजपा ने पालमपुर बैठक में राम मंदिर निर्माण की बाधाएं दूर करने के लिए संकल्प व्यक्त किया था। पार्टी ने धरा 370 हटाने, समान नागरिक संहिता की बात भी कही थी। इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि जनता दल (सेकुलर) के प्रदेश अध्यक्ष ओंकार सिंह ने कहा कि सभी बड़े राजनेता पत्रकार रहे। उन्होंने महात्मा गांधी, जयप्रकाश नारायण, डा राममनोहर लोहिया का उल्लेख किया। एनयूजे के राष्ट्रीय अध्यक्ष सुरेश शर्मा ने कहा सैद्धांतिक पत्रकारिता और वैचारिक संघर्ष के साथ एनयूजे की 1972 में स्थापना हुई। हमारे संगठन ने 1975 में आपातकाल का विरोध किया। उन्होंने कहा आज भी समाज का पत्रकारिता पर सबसे ज्यादा विश्वास है। उद्घाटन समारोह में नगर विधायक वेद प्रकाश गुप्ता, महापौर गिरीश पति त्रिपाठी, एनयूजे महासचिव त्रियुग नारायण तिवारी, उपज महामंत्री आनंद कर्ण ने भी विचार व्यक्त किए। अतिथियों का स्वागत उत्तर प्रदेश एसोसिएशन ऑफ जर्नलिस्ट्स (उपज) के प्रदेश अध्यक्ष सर्वेश कुमार सिंह ने किया। आभार अयोध्या उपज के अध्यक्ष प्रो कृष्ण मुरारी सिंह ने व्यक्त किया। मंच संचालन विवेकानंद पांडे ने किया। एनयूजे की राष्ट्रीय परिषद में 22 राज्यों से लगभग 200 प्रतिनिधि भाग ले रहे हैं।

कस्तूरबा गांधी आवासीय विद्यालय में बड़ा हादसा, छत से गिरी कक्षा 6 की छात्रा, मचा हड़कंप

(यंग भारत न्यूज)

जालौन-उरई।जालौन कोतवाली क्षेत्र के ग्राम गूढ़ा न्यामतपुर स्थित कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय में रविवार दोपहर करीब 3.30 बजे उस समय हड़कंप मच गया, जब कक्षा 6 में पढ़ने वाली एक छात्रा विद्यालय की छत से गिरकर घायल हो गई। छात्रा के छत से गिरने की जानकारी मिलते ही विद्यालय में मौजूद कर्मचारियों में अफरा-तफरी मच गई। आनन-फानन में विद्यालय की वार्डन ने छात्रा को उपचार के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र जालौन पहुंचाया। बताया गया कि घायल छात्रा अनुष्का निवासी उरकरा कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय में कक्षा छह की छात्रा है। रविवार को किसी तरह वह विद्यालय की छत से नीचे गिर गई। हादसे में छात्रा को चोटें आईं। घटना की जानकारी मिलते ही विद्यालय प्रबंधन ने तत्काल उसे अस्पताल पहुंचाने की व्यवस्था की। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र जालौन में ड्यूटी पर तैनात चिकित्सक ने छात्रा का प्राथमिक उपचार किया। छात्रा के अस्पताल पहुंचने की सूचना मिलने के बाद बेसिक शिक्षा विभाग के अधिकारियों में भी हलचल मच गई। बीएसए समेत कई आला अधिकारी अस्पताल पहुंचे और चिकित्सकों से छात्रा की स्थिति के बारे में जानकारी ली। अधिकारियों ने छात्रा के उपचार और स्वास्थ्य की स्थिति के संबंध में जानकारी लेते हुए विद्यालय प्रबंधन से भी घटना के बारे में पूछताछ की। घटना के बाद विद्यालय में छात्राओं की सुरक्षा व्यवस्था को लेकर भी सवाल उठे हैं। हालांकि छात्रा किन परिस्थितियों में छत से गिरी, यह अभी स्पष्ट नहीं हो सका है। संबंधित अधिकारियों द्वारा पूरे मामले की जानकारी जुटाई जा रही है। जांच के बाद ही हादसे के कारणों की स्थिति स्पष्ट हो सकेगी।

मिट्टी की दीवार गिरी, मलबे में दबकर भैंस के बच्चे की मौत, भैंस घायल

(यंग भारत न्यूज)

उरई। जिले के रामपुरा ब्लॉक के रिदावली गांव में एक मिट्टी की दीवार अचानक गिर गई। इस हादसे में दीवार के मलबे में दबकर एक भैंस के बच्चे की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं, भैंस गंभीर रूप से घायल हो गई।

हादसे के बाद गांव वाले मौके पर जमा हो गए। ग्रामीणों ने मलबा हटाकर घायल भैंस को बाहर निकाला। इस घटना से पशुपालक परिवार को नुकसान हुआ है। ग्रामीणों ने प्रशासन से मांग की है कि मौके का निरीक्षण कर पीड़ित पशुपालक को जल्द मुआवजा दिया जाए।

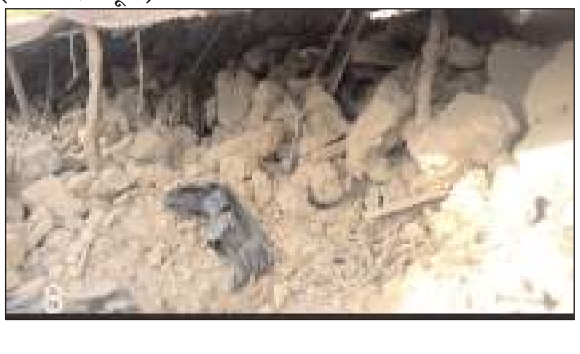

सड़क दुर्घटना में महिला एवं किशोर सहित तीन घायल गंभीर स्थिति में महिला सहित दो लोग जिला अस्पताल किये रिफर

(यंग भारत न्यूज)

कालपी जालौन 4 अक्टूबर 40 वर्षीय करन सिंह पुत्र रामसेवक निवासी धमनी 16 वर्षीय अरुण पुत्र सुभाष निवासी नवलपुरा मंगरोल 35 वर्षीय देववती पत्नी राजाराम निवासी जनपद कानपुर देहात थाना भोगनीपुर ग्राम दौलतपुर उपरोक्त तीनों लोग बीती शाम एवं रात्रि तथा रविवार को सुबह सड़क पर अलग-अलग जगह सफर कर रहे थे तभी अज्ञात बाहन की टक्कर से अलग-अलग जगह उपरोक्त महिला सहित तीनों घायल हुए घटना की सूचना पाकर पहुंची एंबुलेंस के कर्मियों ने सड़क पर पड़े अलग-अलग जगह से उपरोक्त लोगों को उठाकर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कालपी में इलाज हेतु भर्ती कराया अस्पताल में मौजूद चिकित्सा अधिकारी डॉक्टर अशोक चक्र ने उपरोक्त घरों की अलग-अलग समय में जांच की गंभीर स्थिति पर घायल करन सिंह तथा घायल महिला देव वती समेत दोनों का प्राथमिक उपचार कर जिला अस्पताल उरई रिफर किया शेष किशोर घायल का स्वास्थ्य टीम लगाकर इलाज शुरू किया।

बैंक खाते से फोन हैक कर 69,000 रुपये निकाले

पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू की

(यंग भारत न्यूज)

जालौन-उरई। नगर में एक व्यक्ति के बैंक खाते से फोन हैक कर 69,000 रुपये निकाल लिए। पीड़ित की तहरीर के आधार पर कोतवाली पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

कोतवाली क्षेत्र के मोहल्ला रापटगंज निवासी रविंद्र सिंह तोमर ने पुलिस को बताया कि बीती 17 सितम्बर को उसके केनरा बैंक खाते से उसकी बिना अनुमति व सहमति के किसी अज्ञात व्यक्ति ने उनका फोन हैक करके 69,000 रुपये की धनराशि निकाल ली। जब उन्होंने बैंक में जानकारी की तो पता चला कि उनकी धनराशि आंध्र प्रदेश के कुरनूल क्षेत्र के चिप्पागिरी निवासी एक व्यक्ति खाते में ट्रांसफर की गई है। पीड़ित ने बताया कि उसने उक्त धनराशि निकालने के लिए किसी भी व्यक्ति को अधिकृत नहीं किया था। उनके साथ धोखाधड़ी कर अनाधिकृत लेन-देन किया गया है। पीड़ित की तहरीर पर रिपोर्ट दर्ज कर ली गई है। चौकी प्रभारी मनीष तिवारी ने बताया कि मामले की जांच साइबर सेल की मदद से की जा रही है।

समूह सखियों ने उठाया अल्प मानदेय का मुद्दा

(यंग भारत न्यूज)

कोंच (जालौन) एनआरएलएम के तहत ग्रामीण इलाकों में स्वयं सहायता समूहों का गठन कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने बाली समूह सखियों ने अपने अल्प मानदेय दो हजार का मुद्दा उठाया है समूह सखियों का कहना है कि इतने अल्प मानदेय में उनका भरण पोषण नही हो सकता उन्हें समूह गठन करने के लिए गांवो में जाना पड़ता है अपना मोबाइल भी रिचार्ज कराना पड़ता है जो कि इतने कम मानदेय में सम्भव नही है नदीगांव विकास खण्ड के गांवों से दर्जनों की संख्या में जुटी समूह शनिवार को विकास खण्ड नदीगांव नारेबाजी करते हुए पहुँची जहां उन्होंने बीडीओ नरेश पाल को ज्ञापन सौंपते हुए समूह सखी कैडर संघ की जिलाध्यक्ष केशकली ने बताया कि सखियों का मानदेय प्रतिमाह 20 हजार किया जाए उन्हें काम करने के लिए टेबलेट उपलब्ध कराया जाए और टेबलेट का रिचार्ज फ्री किया जाए समूह सखियों को स्थायी किया जाए और उनके तथा परिवार के उपचार के लिए 5 लाख रुपये बीमा किया जाए समूह सखियों ने उक्त 7 मांगो को जल्द पूरा किया जाए इस दौरान भारती देवी विमला देवी लता सीमा रामकुमार आदि समूह की महिलाएं मौजूद रही है।

एसपी की अध्यक्षता में सलेमपुर कालपी में मिशन शक्ति के तहत जन चौपाल, बालिकाओं और महिलाओं को किया जागरूक

(यंग भारत न्यूज)

उरई।पुलिस अधीक्षक जालौन की अध्यक्षता में ग्राम सलेमपुर कालपी, थाना कुठौंद में मिशन शक्ति के तहत जन चौपाल का आयोजन किया गया। जिसमें बालिकाओं, महिलाओं और ग्रामवासियों को महिला सशक्तिकरण, यातायात नियमों और साइबर अपराध से बचाव के प्रति जागरूक किया गया।

जन चौपाल के अवसर पर पुलिस अधीक्षक जालौन द्वारा स्कूली बालिकाओं एवं महिलाओं को संबोधित करते हुए कहा गया कि जालौन पुलिस बालिकाओं एवं महिलाओं की सुरक्षा और सम्मान को लेकर लगातार प्रयासरत है। स्कूल, कॉलेज, बाजार, सार्वजनिक स्थान अथवा कार्यस्थल पर किसी भी प्रकार की परेशानी होने पर पीड़ित महिलाएं विभिन्न हेल्पलाइन नंबरों — वूमेन पॉवर लाइन–1090, पुलिस आपातकालीन सेवा–112, एम्बुलेंस सेवा–108, चाइल्ड लाइन–1098, स्वास्थ्य सेवा–102, महिला हेल्पलाइन–181, मुख्यमंत्री हेल्पलाइन–1076 के माध्यम से तत्काल सहायता प्राप्त कर सकती हैं। उन्होंने कहा कि महिलाओं एवं बालिकाओं के विरुद्ध होने वाले अपराधों का एक बड़ा कारण अशिक्षा है। इसलिए आवश्यक है कि हम अपनी बेटियों को हर हाल में शिक्षित करें, ताकि वे किसी भी कार्य में सक्षम हो सकें। आज महिलाएं हर क्षेत्र में आगे बढ़ रही हैं, परंतु उन्हें और अधिक स्वावलंबी बनाने के लिए उनमें नेतृत्व की भावना जागृत करना अत्यंत आवश्यक है। यदि बेटियों में नेतृत्व की भावना विकसित होगी तो वे शारीरिक एवं मानसिक रूप से मजबूत बनकर स्वावलंबी व आत्मनिर्भर होंगी। कार्यक्रम के दौरान साइबर सेल टीम जनपद जालौन द्वारा आमजनमानस को बताया गया कि वर्तमान समय में साइबर अपराध तेजी से बढ़ रहे हैं। साइबर अपराधी सोशल मीडिया, गेमिंग एप्लीकेशन, फर्जी लिंक एवं ऑनलाइन प्लेटफॉर्म के माध्यम से लोगों को ठगी का शिकार बना रहे हैं। किसी भी अनजान व्यक्ति द्वारा भेजे गए लिंक, मैसेज, ओटीपी अथवा फाइल को बिना सत्यापन खोले जाने से मोबाइल फोन एवं निजी डाटा हैक हो सकता है। इसके लिए विश्वसनीय एवं आधिकारिक प्लेटफॉर्म से ही एप्लीकेशन डाउनलोड करनी चाहिए तथा सोशल मीडिया पर अपनी व्यक्तिगत फोटो, मोबाइल नंबर, पता, बैंक संबंधी जानकारी एवं अन्य निजी सूचनाएं साझा करना जोखिमपूर्ण हो सकता है। इंटरनेट का सकारात्मक एवं सुरक्षित उपयोग करें, साइबर बुलिंग से बचें तथा किसी भी संदिग्ध ऑनलाइन गतिविधि की जानकारी तत्काल पुलिस को दें, हेतु प्रेरित किया गया। मिशन शक्ति केंद्र प्रभारी पूनम यादव ने कहा कि यदि किसी बालिका अथवा महिला के साथ किसी प्रकार का अपराध होता है तो उसे चुप नहीं रहना चाहिए। परिजनों को जानकारी देने के साथ ही तत्काल सूचना देनी चाहिए, जिससे संबंधित आरोपी के खिलाफ प्रभावी कार्रवाई की जा सके।

वहीं यातायात प्रभारी वीर बहादुर द्वारा वाहन चालकों को यातायात नियमों का पालन करने, निर्धारित गति सीमा में वाहन चलाने, दो पहिया वाहन चलाते समय हेलमेट तथा चार पहिया वाहन में सीट बेल्ट का अनिवार्य रूप से प्रयोग करने एवं नशे की हालत में वाहन न चलाने के संबंध में जागरूक किया गया। इस अवसर पर क्षेत्राधिकारी जालौन अजय कुमार सिंह, प्रभारी निरीक्षक थाना कुठौंद विजय कुमार पाण्डेय, प्रभारी मिशन शक्ति उ0नि0 पूनम यादव, प्रभारी यातायात उ0नि0 वीर बहादुर, साइबर सेल टीम जनपद जालौन व क्षेत्रीय जन प्रतिनिधि, ग्राम प्रधान सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण महिलाएं, बालिकाएं मौजूद व ग्रामवासी मौजूद रहे। कार्यक्रम का उद्देश्य महिलाओं/बालिकाओं में आत्मविश्वास बढ़ाना, उन्हें संवेदनशील विषयों पर खुलकर बात करने के लिए प्रेरित करना तथा एक सुरक्षित एवं सशक्त वातावरण का निर्माण करना।

ससुराल में युवक पर हमला, ब्लेड से गर्दन पर किए कई बार

(यंग भारत न्यूज)

कोंच तहसील क्षेत्र के ग्राम धंजा में रविवार को पत्नी को लेने ससुराल पहुंचे एक युवक के साथ मारपीट कर उसे लहूलुहान कर दिया गया। आरोप है कि पुरानी रंजिश को लेकर ससुरालीजनों ने युवक के साथ मारपीट की और इसी दौरान उसके साले–साली ने ब्लेड से गर्दन पर हमला कर उसे गंभीर रूप से घायल कर दिया। घटना के बाद घायल युवक को उपचार के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कोंच लाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद हालत गंभीर होने पर उसे मेडिकल कालेज उरई रेफर कर दिया गया।जानकारी के अनुसार कोतवाली क्षेत्र के मुहल्ला जयप्रकाश नगर निवासी 38 वर्षीय वीरेंद्र पुत्र विजय वर्मा मजदूरी कर परिवार का भरण–पोषण करते हैं। रविवार दोपहर वह अपनी पत्नी को लेने के लिए ग्राम धंजा स्थित ससुराल पहुंचे थे। बताया जा रहा है कि इसी दौरान पुरानी रंजिश को लेकर ससुरालीजनों से उनका विवाद हो गया। आरोप है कि विवाद बढ़ने पर ससुरालीजनों ने वीरेंद्र के साथ मारपीट शुरू कर दी। इसी बीच उनके साले और साली ने ब्लेड से उनकी गर्दन पर वार कर दिया। हमले में वीरेंद्र गंभीर रूप से घायल हो गए और उनके शरीर से खून बहने लगा। घटना के बाद मौके पर अफरा–तफरी मच गई।परिजनों और आसपास के लोगों की मदद से घायल वीरेंद्र को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया गया। चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार के बाद उनकी हालत गंभीर देखते हुए मेडिकल कालेज उरई रेफर कर दिया। घटना की सूचना मिलने पर पुलिस भी मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू कर दी। पुलिस मारपीट के कारणों, घटना की परिस्थितियों और लगाए गए आरोपों की जांच कर रही है। पुलिस की जांच के बाद ही घटना की पूरी स्थिति स्पष्ट हो सकेगी।

यादव सेवा समिति के नामांकन के बाद उपाध्यक्ष पद पर सभासद माधव यादव निर्विरोध निर्वाचित

(यंग भारत न्यूज)

कोंच नगर के मुहल्ला पटेल नगर में स्थित श्री यादवेश्वर धर्मशाला में यादव सेवा समिति कोंच के चुनाव में नामांकन के दिन कई पदों पर दावेदारों ने अपने अपने समर्थकों के साथ पर्चे खरीदे।जिसमें उपाध्यक्ष पद हेतु नगर पालिका परिषद कोंच के युवा सभासद माधव यादव ने नामांकन दाखिल किया। जिसमें माधव यादव का एकल पर्चा होने के बाद चुनाव अधिकारियों ने उन्हें निर्विरोध निर्वाचित कर दिया। इस पर माधव यादव के उपाध्यक्ष निर्वाचित होने पर उनके साथ मौजूद कई समर्थकों ने उन्हें फूल माला पहनाकर जीत की बधाई दी।इस मौके पर यादव सेवा समिति के चुनाव अधिकारी कढोरेलाल यादव बाबूजी, रामप्रकाश यादव, राजेश्वरी यादव, डॉ जगत यादव, रहीश यादव, हरिराम यादव, किशोर यादव बाबू जी सहित हिम्मत सिंह यादव, महावीर यादव,बृजेंद्र यादव, सचिन दाऊ, ओंमकार यादव, मोहन सिंह यादव डम्पी, देवेंद्र यादव, केशव दादी, मानवेंद्र, विक्की, जीतू यादव, सचिन्द्र यादव, राजेंद्र कक्का ,राजेश यादव, हरिओम यादव फ़टूले, बॉबी यादव, श्यामू यादव, छोटे राजा, राजू यादव, अजय यादव सहित कई लोग मौजूद रहे।

परिवार परामर्श केंद्र की उम्दा पहल,अलग अलग रह रहे पति पत्नी को मिला दिया

(यंग भारत न्यूज)

कोंच परिवार परामर्श केंद्र की अनूठी पहल देखने को मिली।घरेलू विवाद के बाद अलग अलग रह रहे पति–पत्नी को परिवार परामर्श केंद्र ने मिला दिया है। काउंसलर्स ने दोनों को परिवार की अहमियत और दुनियादारी की ऊंच–नीच जब समझाई तो बात उनकी समझ में आ गई और उन्होंने सुलह–समझौता करके एक साथ रहने की हामी भर ली।

मिहोना थाना डकोर के रहने वाले मान खान की बेटी साजिदा कोंच के तिलक नगर निवासी सफी मुहम्मद के बेटे चांद खां को व्याही है। किसी बात को लेकर पति–पत्नी में अनबन हो गई और साजिदा अपने पिता के घर चली गई। मामला पुलिस तक पहुंचा तो प्रभारी निरीक्षक निगवेंद्र प्रताप सिंह ने इसे परिवार परामर्श केंद्र को सौंप दिया।रविवार को दोनों पक्षों और उनके रिश्तेदारों को बुला कर मामला सुना गया। केंद्र प्रभारी वरिष्ठ उपनिरीक्षक विमलेश कुमार, महिला कांस्टेबल जान्हवी, अर्चना केसरवानी, काउंसलर्स पुरूषोत्तम दास रिछारिया व जाहिद ने दंपत्ति को समझाया तो वे विवाद खत्म कर साथ रहने को राजी हो गए।

घर में सो रहे युवक पर गिरी छत,गंभीर हालत में मेडिकल कालेज रेफर

(यंग भारत न्यूज)

कोंच क्षेत्र के मुहल्ला भगत सिंह नगर में रविवार सुबह घर के अंदर सो रहे 22 वर्षीय युवक के ऊपर अचानक छत का हिस्सा गिर गया। हादसे में युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना के बाद परिजनों में अफरा–तफरी मच गई। परिजन घायल युवक को आनन–फानन में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लेकर पहुंचे, जहां प्राथमिक उपचार के बाद उसकी गंभीर हालत को देखते हुए मेडिकल कालेज उरई रेफर कर दिया गया।जानकारी के अनुसार भगत सिंह नगर निवासी कल्लू खान पुत्र जफर खान, उम्र करीब 22 वर्ष अपने घर के अंदर सो रहे थे। परिजनों के मुताबिक सुबह अचानक घर की छत भरभराकर उनके ऊपर गिर गई। बताया गया कि मकान की छत ईंट–गुम्मों से बनी हुई थी। छत गिरने की आवाज सुनकर परिजन मौके पर पहुंचे और मलबे में दबे कल्लू खान को बाहर निकाला।हादसे में युवक के शरीर पर गंभीर चोटें आईं। घटना के बाद परिजन उसे तत्काल उपचार के लिए सीएचसी कोंच लेकर पहुंचे।जहां अस्पताल में चिकित्सक डॉ. गौरव शर्मा ने घायल युवक का प्राथमिक उपचार किया। युवक की हालत गंभीर होने पर चिकित्सकों ने बेहतर उपचार के लिए उसे मेडिकल कालेज उरई रेफर कर दिया।अचानक हुए इस हादसे से परिवार में चीख–पुकार मच गई।परिजनों के मुताबिक युवक घर के अंदर सो रहा था, तभी अचानक छत गिरने से यह हादसा हुआ। घटना के बाद आसपास के लोगों भी एकत्रित हो गए। फिलहाल युवक का उपचार मेडिकल कालेज उरई में किया जा रहा है।

काउंसिलिंग के बाद दो परिवारों को बिखरने से बचाया

(यंग भारत न्यूज)

जालौन–उरई। कोतवाली स्थित परिवार परामर्श केंद्र पर काउंसिलिंग के बाद दो परिवारों को बिखरने से बचा लिया गया। दोरों परिवारों ने टीम को धन्यवाद दिया।

कोतवाली क्षेत्र के ग्राम लौना निवासी माया कुशवाहा ने पति दशरथ और सहावनाका निवासी आरती ने पति जितेंद्र रजक के खिलाफ परिवार को न संभालने और उनके साथ आए दिन गाली, गलौज और मारपीट किए जाने की शिकायत कोतवाली पुलिस से की थी। पुलिस ने मामले को परिवार परामर्श केंद्र के पास भेजा। जहां मिशन शक्ति टीम के प्रभारी संजय यति ने तत्काल दोनों मामलों का संज्ञान लिया। परिवार परामर्श केंद्र में काउंसर रिटायर्ड बीडीओ प्रीति भसीन व डॉ. अवध किशोर त्रिवेदी के साथ महिला एसआई सन्नो देवी व कांस्टेबल दीपिका की मौजूदगी में महिला और उसके पति के साथ परिवार के लोगों को बुलाया गया। दोनों पक्षों से पहले अलग–अलग और फिर संयुक्त रूप से वार्ता कराई गई। काउंसलिंग के बाद दशरथ ने पत्नी माया और जितेंद्र ने पत्नी आरती को परिजनों के सामने आश्वासन दिया कि वह भविष्य में पति–पत्नी के रूप में रहकर सभी आवश्यकताओं की पूर्ति करते हुए जीवन यापन करेंगे और कोई विवाद नहीं करेगें। दोनों पक्षों की सहमति से प्रकरण का समाधान कर दिया गया।

पहाड़गांव लूटकांडः तीन दिन बाद भी पुलिस के हाथ खाली, नहीं मिला सुराग

(यंग भारत न्यूज)

कोंच पहाड़गांव में सरे राह दंपत्ति से हुई नकदी और जेवरात की लूट के मामले में तीन दिन बाद भी पुलिस के हाथ ऐसा कोई सुराग नहीं लगा है जिसे पकड़ कर वह आगे बढ़ पाए। पुलिस और एसओजी की कई टीमें कैलिया थाना क्षेत्र से लेकर कोतवाली क्षेत्र और सीमावर्ती जनपदों में लगी है और नगर के सीसीटीवी फुटेज खंगाले जा रहे हैं।कैलिया थाना क्षेत्र के पहाड़गांव पुलिस चौकी से महज चंद कदमो की दूरी पर दंपत्ति के साथ तमंचे के बल पर हुई लूट को 72 घंटे गुजर चुके हैं लेकिन अभी भी पुलिस के हाथ खाली हैं। बदमाशों की तलाश में पुलिस की कई टीमें और एसओजी लगातार सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाल रही हैं, लेकिन अभी तक कोई ठोस सुराग हाथ नहीं लगा है। पुलिस को उलझाने के लिए बदमाशों ने घटना से पहले कोंच कस्बे की सड़कों और गलियों में काफी समय बिताया था। यही वजह है कि पुलिस की जांच का दायरा कोंच तक बढ़ गया है। गौरतलब है कि गुरुवार की देर शाम नरी गांव के पास त्रयोदशी के कार्यक्रम से लौट रहे दंपत्ति दीपक सीरौठिया व सरिता को पहाड़गांव पुलिस चौकी के पास बाइक सवार तीन बदमाशों ने रोक लिया था। तमंचा दिखाकर बदमाशों ने महिला का मंगलसूत्र व आभूषण और उसके पति से करीब 13 हजार रुपये व जरूरी कागजात लूट लिए थे। वारदात के बाद तीनों बदमाश बाइक से फरार हो गए थे।

कोंच की गलियों में कैमरे तलाश रही है पुलिस

(यंग भारत न्यूज)

कोंच फिलहाल अभी तक की गतिविधियों की अगर बात करें तो पुलिस की स्थिति अंधेरे में तीर चलाने जैसी है। जहां तक पुलिस का सवाल है तो शुरू से ही वह मानकर चल रही है कि बाइक सवार बदमाश कोंच से ही दंपत्ति के पीछे लगे थे, लिहाजा पुलिस का पूरा फोकस कोंच पर है। घटना के बाद पुलिस ने आसपास के सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली।72 घंटों से कैमरों की फुटेज देखे जाने के बाद भी बदमाशों की पहचान नहीं हो सकी है। जांच में यह भी सामने आया कि बदमाश घटना से पहले कोंच कस्बे में घूमते रहे थे।इसके चलते शनिवार को पुलिस की टीमें कोंच की कई प्रमुख सड़कों के साथ गलियों में लगे कैमरों की फुटेज भी खंगालती रही।

पेट्रोल पंप संचालक की बाइक सड़क पर आगे खड़े डंपर से टकराई, मौक़े पर हुई मौत

(यंग भारत न्यूज)

जालौन–उरई। शनिवार की देर रात बाइक से ससुराल जा रहे पेट्रोल पंप संचालक की बाइक सड़क पर आगे खड़े डंपर से टकरा गई। हादसे में पेट्रोल पंप संचालक की मौके पर ही मौत हो गई। सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस ने मृतक के को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और आरोपी ट्रक को कब्जे में ले लिया है।

कोतवाली क्षेत्र के ग्राम अलाईपुरा निवासी अभय गौतम (38) का माधौगढ़ क्षेत्र के ग्राम चितौरा के पास पेट्रोल टैंक है। शनिवार की रात करीब नौ बजे बाइक लेकर अपनी ससुराल भदेख के लिए जा रहे थे। जालौन–औरैया मार्ग पर जब वह कुदरा करौंदी के पास स्थित हनुमान जी के मंदिर के पास पहुंचे तभी वह सड़क किनारे आगे खड़े ट्रक को नहीं देख सके और तेज रफ्तार बाइक खड़े ट्रक में पीछे से जा घुसी। सिर में गंभीर चोट आने के कारण उनकी मौके पर ही मौत हो गई। राहगीरों ने हादसे की सूचना परिजनों और यूपी 112 को दी। सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस ने परिजनों की मौजूदगी में शव का पंचनामा भरकर उसे पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया गया। उधर, पति की मौत की खबर सुनकर पत्नी संतोषी का रो रोकर बुरा हाल है। वही अभय की मृत्यु से भाई सुधाकर गौतम, वीरसेन गौतम और बहनें नीरज व नीरू गौतम भी सदमे में हैं। वहीं, पुलिस ने आरोपी ट्रक को कब्जे में ले लिया है।

श्रीमद्भागवत कथा के महात्म्य और राजा परीक्षित के जन्म प्रसंग का वर्णन किया

(यंग भारत न्यूज)

जालौन–उरई। मोहल्ला चौधरयाना में आयोजित साप्ताहिक श्रीमद्भागवत कथा के दूसरे दिन कथा व्यास डॉ. पंडित शिव संपत द्विवेदी ने श्रीमद्भागवत कथा के महात्म्य और राजा परीक्षित के जन्म प्रसंग का वर्णन किया। दूसरे दिन कथा व्यास डॉ. पंडित शिव संपत द्विवेदी ने भागवत कथा का महात्म्य बताते हुए कहा कि श्रीमद्भागवत पुराण केवल एक धार्मिक ग्रंथ नहीं, बल्कि मानव जीवन को सही दिशा देने वाला दिव्य ज्ञान है। भागवत कथा मनुष्य को धर्म, सत्य, करुणा और भक्ति के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देती है। जो व्यक्ति श्रद्धा और विश्वास के साथ भागवत कथा का श्रवण करता है, उसके जीवन के अनेक कष्ट स्वत: ही दूर होने लगते हैं और मन में सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है। भागवत कथा के श्रवण से व्यक्ति का अंतर्मन शुद्ध होता है और उसे ईश्वर के निकट होने का अनुभव प्राप्त होता है। राजा परीक्षित के जन्म की कथा का वर्णन कर बताया कि राजा परीक्षित का जन्म महाभारत युद्ध के बाद हुआ था। अश्वत्थामा द्वारा छोड़े गए ब्रह्मास्त्र से गर्भ में स्थित शिशु को बचाने के लिए भगवान श्रीकृष्ण ने स्वयं गर्भ में प्रवेश कर बालक की रक्षा की। इसी कारण बालक का नाम परीक्षित पड़ा, क्योंकि वह जन्म से ही भगवान का साक्षात दर्शन कर चुका था। राजा परीक्षित की कथा हमें यह सिखाती है कि ईश्वर अपने भक्तों की हर परिस्थिति में रक्षा करते हैं और सच्चे भक्त को कभी निराश नहीं करते। इस मौके पर पारीक्षित किरन गुप्ता, किंकल अनुपम गुप्ता, बॉबी, मंजू, आशीष, अरविंद गुप्ता, गौरी गुप्ता, आदित्य, सक्षम, रुचि गुप्ता, केके गुप्ता,समता गुप्ता, शुचि गुप्ता आदि रहे।

सांप के काटने से किशोरी अचेत, उपचार जारी

(यंग भारत न्यूज)

कोंच कोतवाली क्षेत्र के ग्राम लौना में घर के बाहर दरवाजे पर खड़ी 15 वर्षीय किशोरी को सांप ने डंस लिया। हालत बिगड़ते ही परिजन उपचार के लिए किशोरी को सीएचसी लेकर पहुंचे।जानकारी के अनुसार, ग्राम लौना निवासी दिलीप कुमार की 15 वर्षीय पुत्री अंकिता अपने घर के बाहर दरवाजे पर खड़ी थी। इसी दौरान सांप ने उसे काट लिया। बालिका की हालत बिगड़ने लगी तो परिजन उसे उपचार के लिए सीएचसी लेकर पहुंचे जहां चिकित्सकों द्वारा उसका समुचित उपचार किया गया। समय से उपचार मिलने पर बालिका की स्थिति अब खतरे से बाहर बताई जा रही।

नवदुर्गा महोत्सव को लेकर गाजेबाजे से आई देवी पताका

(यंग भारत न्यूज)

कोंच आगामी 11 अक्टूबर से शुरू होने वाले नवदुर्गा महोत्सव को लेकर चंदकुआ नवदुर्गा समिति ने तैयारियां शुरू कर दी हैं। इसी क्रम में समिति के सदस्यों ने नगर के सिंह वाहिनी मंदिर से विधि–विधान के साथ देवी पताका लाकर चंदकुआ पर देवी पंडाल के स्थान पर स्थापित कर दिया।पताका स्थापना के दौरान श्रद्धालुओं में खासा उत्साह देखने को मिला।बैंड–बाजों के साथ समिति के सदस्य और श्रद्धालु सिंह वाहिनी मंदिर पहुंचे। यहां पूजा–अर्चना के बाद देवी पताका को लेकर भक्त चंदकुआ के लिए रवाना हुए। बैंड–बाजों की धुन के बीच पताका को चंदकुआ स्थित उस स्थान पर लाया गया, जहां आगामी नवदुर्गा महोत्सव के दौरान मां सिंह वाहिनी की प्रतिमा विराजमान की जाएगी। चंदकुआ पहुंचने के बाद पंडित विष्णुकांत शास्त्री ने विधिवत पूजा–अर्चना कराई। वैदिक मंत्रोच्चार के बीच झंडा पूजन संपन्न कराया गया और इसके बाद झंडे को निर्धारित स्थान पर स्थापित किया गया। इस मौके पर श्रद्धालुओं ने मां सिंह वाहिनी के जयकारे लगाए, जिससे पूरा वातावरण भक्तिमय हो गया।समिति के सदस्यों ने बताया कि आगामी 11 अक्टूबर से नवदुर्गा महोत्सव का आयोजन किया जाना है। महोत्सव को लेकर समिति द्वारा तैयारियों को अंतिम रूप दिया जा रहा है। झंडा स्थापना के साथ ही महोत्सव की तैयारियों का विधिवत शुभारंभ माना जा रहा है। आयोजन को लेकर क्षेत्र के लोगों में भी उत्साह है और बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के पहुंचने की उम्मीद है। झंडा स्थापना एवं पूजन के अवसर पर अमन अग्रवाल, अमित मोदी, पंडा देवू सोनकिया, चिंटू, चिराग, सौरभ, आशीष, निखिल, ऋषभ, पवन सोनी, छोटू झा, निशांत, आकाश सहित समिति के सदस्य व श्रद्धालु मौजूद रहे।

एशियाई खेल : फाइनल में पाकिस्तान को 19 रनों से हराया

भारत ने लगातार दूसरी बार जीता गोल्ड

हांगझोउ

अभिषेक शर्मा और तिलक वर्मा के तूफानी अर्धशतकों की मदद से भारत ने हसन नवाज की आक्रामक पारी के बावजूद रोमांचक फाइनल में अपने चिर प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान को 19 रन से हराकर शनिवार को एशियाई खेलों के पुरुष क्रिकेट में अपने स्वर्ण पदक का सफलतापूर्वक बचाव किया।

अभिषेक ने 28 गेंद पर 61 रन बनाए, जिसमें तीन चौके और सात छक्के शामिल हैं। तिलक वर्मा ने आखिरी ओवरों में 22 गेंद पर नाबाद 51 रन की पारी खेली, जिसमें तीन चौके और चार छक्के शामिल हैं। उन्हें शिवम दुबे का अच्छा साथ मिला, जिन्होंने 15 गेंद पर 27 रन बनाए। टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने के लिए उतरी भारतीय टीम ने छह विकेट पर 211 रन का बड़ा स्कोर बनाया। पाकिस्तान की तरफ से अहमद दानियाल और अशफाक निकास ने दो-दो विकेट लिए।

हसन नवाज ने खेली 51 गेंदों पर 96 रन की पारी

पाकिस्तान खराब शुरुआत के बावजूद हसन नवाज की 51 गेंदों पर 96 रन की पारी से मुकाबले में बना रहा लेकिन आखिर में वह 6 विकेट पर 192 रन तक ही पहुंच पाया। नवाज जब चार रन पर थे तब वैभव सूर्यवंशी ने उनका कैच छोड़ दिया था। नवाज ने अपनी पारी में पांच चौके और सात छक्के लगाए। भारत की तरफ से अक्षर पटेल, वाशिंगटन सुंदर और शिवम दुबे ने दो-दो विकेट लिए।

अपने प्रदर्शन का स्तर ऊंचा उठाएं : अय्यर

पाकिस्तान के खिलाफ पहली बार कप्तान कर रहे श्रेयस अय्यर ने एशियाई खेलों के फाइनल में अपने साथियों से सिर्फ इतना कहा था कि मुकाबले को लेकर बने माहौल और दबाव को खुद पर हावी नहीं होने दें और बड़े मंच पर अपने प्रदर्शन का स्तर ऊंचा उठाएं। भारतीय खिलाड़ियों ने भी कप्तान की बात पर अमल करते हुए शानदार प्रदर्शन किया। जीत के बाद अय्यर ने कहा कि टीम ने पाकिस्तान या श्रीलंका के बजाय सिर्फ एक प्रतिद्वंद्वी के रूप में सामने वाली टीम को देखा और अपना पूरा ध्यान सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन पर रखा। उन्होंने कहा, 'हमारे दिमाग में सिर्फ एक प्रतिद्वंद्वी था, पाकिस्तान या श्रीलंका नहीं। इससे कोई फर्क नहीं पड़ता। अगर हम अपनी क्षमता के मुताबिक सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हैं तो बाकी चीजें अपने आप सही हो जाती हैं। आज इसका सही उदाहरण देखने को मिला और हम उस पर खरे उतरे।'

नहीं किया हैंडशेक

भारत और पाकिस्तान के बीच एशियाई खेलों के क्रिकेट फाइनल को लेकर काफी उत्सुकता थी लेकिन आखिरकार यह मुकाबला बिना किसी विवाद के संपन्न हुआ। इस दौरान दोनों टीमों के खिलाड़ियों ने एक बार फिर हाथ नहीं मिलाया। फाइनल देखने के लिए लोकल, नागोया और जापान के अन्य हिस्सों से बड़ी संख्या में पहुंचे भारतीय समुदाय के लोगों के लिए यह दिन क्रिकेट के नाम रहा। मैच के बाद का घटनाक्रम भी कुछ ऐसा ही रहा। जीत के बाद भारतीय खिलाड़ी जब अपने ड्रेसिंग रूम की ओर बढ़े तो उन्होंने पाकिस्तानी खिलाड़ियों के पास जाने की कोशिश नहीं की। पाकिस्तान की टीम अपने ड्रेसिंग रूम से बाहर आई, अंपायरों से हाथ मिलाया और भारतीय खिलाड़ियों से बिना किसी बातचीत के वापस लौट गई। हाथ मिलाने को छोड़ दें तो मैच खेल भावना के साथ खेला गया। खिलाड़ियों के बीच कोई तीखी बहस या बड़ा विवाद नहीं हुआ और उन्होंने अपना ध्यान मुकाबले पर बनाए रखा तथा क्रिकेट को केंद्र में रहने दिया। पदक समारोह भी बिना किसी व्यवधान के संपन्न हुआ और आयोजकों ने पूरी प्रक्रिया की व्यवस्थित बनाए रखा।

होप के नाबाद 162 रन से वेस्टइंडीज ने तीसरे वनडे में भारत को हराया

कुआलापुर

कप्तान शाइ होप के नाबाद 162 रन की मदद से वेस्टइंडीज ने शनिवार को तीसरे और आखिरी वनडे में भारत को पांच विकेट से हराया। भारत ने तिरुवनंतपुरम और गुवाहाटी में पहले दो मैच जीतने के बाद श्रृंखला 2-1 से अपने नाम कर ली। होप ने 21वां वनडे शतक लगाया और 143 गेंद की उनकी पारी के दम पर वेस्टइंडीज ने जीत के लिये 352 रन का लक्ष्य हासिल कर लिया जो वनडे क्रिकेट में लक्ष्य का पीछा करते हुए उसकी सबसे बड़ी जीत है। इससे पहले लोकेश राहुल ने नाबाद 129 रन की आक्रामक पारी खेली, रोहित शर्मा (92) तथा ऋतुराज गायकवाड़ (57) की अर्धशतकीय पारियों के बूते भारत ने शुरुआती झटकों से उबरते हुए सात विकेट पर 351 रन का मजबूत स्कोर खड़ा किया था। वेस्टइंडीज ने पावरप्ले में जॉन कैम्पबेल का विकेट गंवाकर 78 रन बनाये। होप को गुरनूर बराड़ ने शुरुआत में जीवनदान दिया जो भारत के लिये भारी पड़ा। आमिर जांगू ने उनके साथ अच्छी साझेदारी करके 56 गेंद में पांच चौकों और एक छक्के की मदद से 67 रन बनाये। शेरफान रदरफोर्ड और होप ने वेस्टइंडीज को 29वें ओवर में 200 रन के पार पहुंचाया। स्पिनर मानव धीर ने रदरफोर्ड को विकेट के पीछे लपकवाकर इस साझेदारी को तोड़ा। इसके बाद कीमो पॉल ने होप के साथ अर्धशतकीय साझेदारी की। पॉल को बराड़ ने 41वें ओवर में आउट किया। कुलदीप यादव ने मैथ्यू फोर्ड को पवेलियन भेजा। कुलदीप के आखिरी ओवर में होप ने पहली गेंद पर छक्का और फिर चौका जड़ा। इसके बाद उन्होंने 47वें ओवर में बराड़ को तीन चौके लगाये। होप ने 49वें ओवर की पहली गेंद पर छक्का लगाया और अगली गेंद पर एक रन लेकर वेस्टइंडीज को जीत दिलाई।

रोहित ने किया तेंदुलकर का रिकॉर्ड ध्वस्त

रोहित शर्मा ने अब वेस्टइंडीज के खिलाफ तीसरे वनडे मुकाबले में सचिन तेंदुलकर का विश्व रिकॉर्ड ध्वस्त कर दिया। सचिन का ये कीर्तिमान करीब 22 साल पुराना है। रोहित अब बतौर ओपनर वनडे में दस हजार रन बनाने वाले दुनिया के चौथे बल्लेबाज भी बन गए हैं। बतौर ओपनर सबसे तेज दस हजार रन बनाने वाले बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर थे। उन्होंने साल 2004 में ब्रिस्बेन में ऑस्ट्रेलिया पर हजार रन का आंकड़ा छुआ था। अब रोहित शर्मा ने उनसे 12 पारियां कम खेलकर ही 10,000 रन बना दिए हैं। रोहित ने यहां तक पहुंचने के लिए केवल 202 पारियां खेली हैं। रोहित के अलावा 10 हजार रन बनाने वाले बाकी बल्लेबाजों में सचिन तेंदुलकर के अलावा वेस्टइंडीज के क्रिस गेल और श्रीलंका के सनथ जयसूर्या हैं।

एशियन गेम्स

गोल्ड जीतने वाली पहली भारतीय महिला गोल्फर बनीं प्रणवी उर्स

नागोया

प्रणवी उर्स एशियाई खेलों में स्वर्ण पदक जीतने वाली पहली भारतीय महिला गोल्फर बन गईं, जिन्होंने आखिरी दौर में थकान से उबरते हुए एक स्ट्रोक की बढ़त बरकरार रखकर यह ऐतिहासिक उपलब्धि अर्जित की और टीम को भी रजत दिलाया। मैसूर की 23 वर्ष की प्रणवी ने तीसरे होल में ट्रिपल बोगी करने के बाद तीन बर्डी लगाए। आखिरी दौर में उन्होंने इवन पार 70 स्कोर किया और चार दिन में कुल स्कोर 15 अंडर 265 रहा। चीन की यिन रूओनिंग ने रजत पदक जीता जबकि सिंगापुर की शैनोन टैन को कांस्य पदक मिला।

शुरुआत में काफी नर्वस थी : प्रणवी

प्रणवी ने जीत के बाद कहा, 'मुझे कुछ उपलब्धि हासिल करने वाली पहली खिलाड़ी बनना पसंद है। लोग आगे भी जीतेंगे लेकिन पहली बार जीतने वाला पहला ही होता है।' प्रणवी ने कहा कि वह पूरी रात सो नहीं सकी थी और आखिरी दिन शुरुआत में काफी नर्वस थी।

गोल्फ में भारत का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन

यह 1982 दिल्ली एशियाई खेलों के बाद गोल्फ में भारत का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है। उस समय गोल्फ में लक्ष्मण सिंह ने व्यक्तिगत पुरुष स्वर्ण जीता था जबकि अमित लूथरा और राजीव मोहता के साथ टीम वर्ग में भी पीला तमगा हासिल किया था।

टीम ने जीता रजत

प्रणवी, ओलंपियन अदिति अशोक (आखिरी दौर में 67) और दीक्षा डागर (आखिरी दौर में 77) की टीम ने रजत पदक जीता। भारत ने 14 अंडर 546 स्कोर किया। चीन ने 22 अंडर 538 के स्कोर के साथ स्वर्ण पदक जीता। अदिति एक डबल बोगी और बोगी के बाद लगातार पांच बर्डी लगाकर संयुक्त 14वें स्थान पर रहीं जबकि दीक्षा संयुक्त 23वें स्थान पर रहीं।

कुश्ती में भारत की झोली में 6 पदक

अमन को स्वर्ण, अंतिम को चांदी

नागोया

अमन सहरावत ने एशियाई खेलों में अपने कांस्य पदक को स्वर्ण में बदल दिया जबकि महाद्वीपीय खिताब जीतने वाली केवल दूसरी भारतीय महिला पहलवान बनने की अंतिम पंघाल की कोशिश को जापान की मोई मियोका के हाथों हार के साथ निराशा का सामना करना पड़ा।

मियोका ने शनिवार को यहां अंतिम को एकतरफा मुकाबले में शिकस्त दी, जिससे भारतीय पहलवान को रजत पदक से संतोष करना पड़ा। भारत ने कुश्ती प्रतियोगिता में छह पदकों (दो स्वर्ण, दो रजत और दो कांस्य) के साथ अपना अभियान समाप्त किया। यह 2023 के हांगझोउ एशियाई खेलों में शीर्ष स्थान से चूकने के बाद भारत के इस प्रतियोगिता में सबसे शानदार प्रदर्शनों में से एक रहा।

अमन ने पुरुषों के 57 किलोग्राम वर्ग में उत्तर कोरिया के चोंग सोंग हान को 10-7 से हराकर स्वर्ण पदक जीता। यह कुश्ती में भारत का दूसरा स्वर्ण पदक था।

तीरंदाजी : नीरज ने रिकर्व स्पर्धा में जीता कांस्य पदक

नागोया। भारतीय तीरंदाज नीरज चौहान ने एशियाई खेलों में पुरुषों की व्यक्तिगत रिकर्व स्पर्धा में अपने हमवतन शीर्ष वरीयता प्राप्त धीरज बोम्मादेवरा को 6-4 से हराकर कांस्य पदक जीता। नीरज ने कांस्य पदक के प्लेऑफ मैच में धीरज को 29-26, 21-28, 28-29, 30-28, 29-28 से हराया। इस तरह से वह तरुणदीप राय के बाद एशियाई खेलों में व्यक्तिगत रिकर्व पदक जीतने वाले दूसरे भारतीय पुरुष तीरंदाज बन गए।

ओसीए एथलीट समिति में राजेश्वरी शामिल

नागोया

पूर्व भारतीय निशानेबाज राजेश्वरी कुमारी को दक्षिण एशिया के प्रतिनिधि के रूप में एशियाई ओलंपिक परिषद (ओसीए) की एथलीट समिति में शामिल किया गया। ओसीए एथलीट समिति में अन्य तीन क्षेत्रीय पदों के लिए एशियाई खेलों के दौरान चुनाव कराए गए। राजेश्वरी के नामांकन को पहले ही ओसीए के कार्यकारी बोर्ड से मंजूरी मिल गई थी। पश्चिम एशिया (एक महिला खिलाड़ी), मध्य एशिया (एक पुरुष खिलाड़ी), पूर्वी एशिया (एक पुरुष खिलाड़ी) और दक्षिण पूर्व एशिया (एक महिला खिलाड़ी) से एक-एक प्रतिनिधि का चयन करने के लिए चुनाव कराए गए। पिछले एशियाई खेलों में 34 वर्षीय राजेश्वरी ने महिला ट्रैप टीम स्पर्धा में रजत पदक जीता था। उन्होंने 2024 में ओलंपिक खेलों में भी भाग लिया था।

ईरानी कप

शेष भारत ने बनाई 265 रन की बढ़त, स्मरण ने ठोका शतक

श्रीनगर

शेष भारत ने रविचंद्रन स्मरण की संयम से खेली गई 126 रन की नाबाद पारी की बदौलत शनिवार को ईरानी कप मैच के तीसरे दिन स्टंप तक 8 विकेट पर 306 रन बनाकर जम्मू-कश्मीर के खिलाफ 265 रन की बढ़त हासिल कर ली।

स्मरण ने 131 गेंद की पारी में 15 चौके और पांच छक्के लगाए, जबकि सलामी बल्लेबाज यश सांगवान ने 55 रन बनाए। इससे शेष भारत मजबूत स्थिति में पहुंच गया। मेजबान टीम की ओर से साहिल लोत्रा (71 रन देकर 3 विकेट) और उमर नजीर मीर (87 रन देकर 3 विकेट) गेंदबाजों में सबसे प्रभावी रहे, लेकिन भारत के बल्लेबाज ऋषभ पंत (08) और सरफराज खान (शून्य) की नाकामी के बावजूद शेष भारत के बल्लेबाजों ने अपनी टीम को बढ़त दिला दी।

पंत का लगातार दूसरी बार प्रदर्शन निराशाजनक

आठवें नंबर पर बल्लेबाजी करने उतरे पंत का लगातार दूसरी बार प्रदर्शन निराशाजनक रहा। उन्हें लोत्रा ने पगबाधा आउट कर दिया। इससे पहले पांचवें नंबर पर उतरे सरफराज खराब फुटवर्क के कारण आउट हो गए। शेष भारत की टीम बीती रात जम्मू-कश्मीर से 17 रन से पीछे थी और उसने एक विकेट ही गंवाया था। फिर शेष भारत के सांगवान और सुदीप कुमार घरामी (33) ने अच्छी शुरुआत करते हुए 50 रन की साझेदारी की। बाएं हाथ के सांगवान को दूसरे छोर पर आरांश जैन का साथ मिला और दोनों ने तीसरे विकेट के लिए 70 रन जोड़कर शेष भारत को आगे कर दिया। सांगवान ने आउट होने से पहले 160 गेंदों में तीन चौकों और एक छक्के की मदद से 55 रन बनाए।

आइसक्रीम और गणित से किनारा किया था कुमकुम ने

मैदान पर 'अजेय तीरंदाज', बाहर 'चंचल बच्ची', गोल्ड पर साधा निशाना

नागोया

निशाना साधते समय शांत रहने वाली युवा तीरंदाज कुमकुम मोहोद जब अपना धनुष नीचे रखकर आइसक्रीम या गणित को लेकर अपने प्यार के बारे में बात करती है तो उनके भीतर का बच्चा हावी हो जाता है। महाराष्ट्र की 17 वर्ष की कुमकुम ने एशियाई खेलों में व्यक्तिगत रिकर्व और टीम वर्ग का स्वर्ण जीतकर इतिहास रचा है। उन्होंने फाइनल में पूर्व ओलंपिक चैंपियन और अपनी आदर्श कोरिया की कांग चाएयंग को हराया।

कुमकुम ने जीता स्वर्ण

नागोया। सत्रह वर्ष की कुमकुम मोहोद ने दबाव में संयम के साथ खेलते हुए एशियाई खेलों की महिला व्यक्तिगत रिकर्व तीरंदाजी स्पर्धा में कोरिया की ओ येजिन को शूटआउट में हराकर स्वर्ण पदक जीता। कुमकुम एशियाई खेलों की व्यक्तिगत रिकर्व स्पर्धा में पदक जीतने वाली पहली भारतीय महिला तीरंदाज बन गईं। स्कोर 5-5 से बराबर रहने के बाद कुमकुम ने शूटआउट में 10 स्कोर किया जबकि येजिन आठ ही स्कोर कर सकी। इससे पहले चीन की जियायी झू को हराकर फाइनल में पहुंचने के साथ कुमकुम ने लॉस एंजिलिस ओलंपिक 2028 के दो कोटा स्थानों में से एक हासिल कर लिया।

स्पेशल: मेंटल हेल्थ डे, 10 अक्टूबर

मेंटल हेल्थ को सुधारने के लिए कई कॉमन तरीकों के बारे में आप जानते होंगे। लेकिन वैज्ञानिक शोधों के आधार पर दुनिया के विशेषज्ञों ने कुछ डिफरेंट एक्टिविटीज के बारे में भी बताया है। ये एक्टिविटीज मेंटली हेल्दी रहने में तो कारगर हैं ही, ये बहुत इंट्रेस्टिंग एक्सपीरियंस भी प्रदान करती हैं। इनमें से कुछ के बारे में जानिए।

फॉलो करें ये डिफरेंट एक्टिविटीज

आप रहेंगे मेंटली हेल्दी-एनर्जेटिक

कवर स्टोरी
शिखर चंद जैन

आज की भाग-दौड़ भरी जिंदगी, डिजिटल तनाव और लगातार बदलते लाइफस्टाइल के बीच मानसिक स्वास्थ्य को दुरुस्त बनाए रखना एक बड़ी चुनौती बन गया है। जब भी मानसिक रूप से स्वस्थ रहने की बात आती है, तो आमतौर पर योग, ध्यान, गहरी सांस लेना या आठ घंटे की नींद जैसी सलाहें दी जाती हैं। बेशक ये तरीके कारगर हैं, लेकिन आधुनिक विज्ञान और न्यूरोसाइंस के शोध अब कुछ ऐसे अनूठे और अपरंपरागत तरीकों के बारे में भी बता रहे हैं, जो हमारे मस्तिष्क को पूरी तरह से रीवायर कर सकते हैं। जानते हैं ऐसे ही कुछ उपाय जो आपके मानसिक स्वास्थ्य को एक नए स्तर पर ले जा सकते हैं।

कुछ न करने की डच कला यानी निकसेन

अकसर हमें हर वक्त कुछ न कुछ रचनात्मक या उत्पादक करने की सलाह दी जाती है। लेकिन नीदरलैंड की एक अवधारणा है, जिसे 'निकसेन' कहा जाता है, जिसका अर्थ है 'जानबूझकर कुछ भी न करना।' अकादमिक जर्नल 'एर्ग्रोगोमिका' में प्रकाशित शोध के अनुसार, जब हम बिना किसी उद्देश्य के बैठते हैं या बस खिड़की से बाहर देखते हैं, तो हमारे मस्तिष्क का 'डिफॉल्ट मोड नेटवर्क' सक्रिय हो जाता है। यह नेटवर्क रचनात्मकता को बढ़ाता है, मानसिक थकान को दूर करता है और भविष्य की चिंताओं को कम करने में मदद करता है।

भारी वजन उठाना या रेजिस्टेंस ट्रेनिंग

मानसिक स्वास्थ्य के लिए अकसर वॉक या कार्डियो वर्कआउट की सलाह दी जाती है, लेकिन वर्ष 2018 में 'जामा साइकिएट्री' में प्रकाशित 33 नैदानिक परीक्षणों के एक बड़े विश्लेषण में पाया गया कि रेजिस्टेंस ट्रेनिंग (वजन उठाना या स्ट्रेंथ ट्रेनिंग) सीधे तौर पर अवसाद के लक्षणों को कम करती है। वजन उठाने से मस्तिष्क में ब्रेन डीराइव्ड न्यूरोट्रॉफिक फैक्टर प्रोटीन का स्तर बढ़ता है। यह प्रोटीन नए मस्तिष्क सेल्स के निर्माण और न्यूरोप्लास्टिसिटी को बढ़ावा देता है, जिससे मानसिक मजबूती आती है। आप मेंटली स्ट्रॉन्ग महसूस करते हैं।

प्रोबायोटिक्स और साइकोबायोटिक्स

विज्ञान ने साबित कर दिया है कि हमारा पेट हमारा 'दूसरा मस्तिष्क' है। हमारे पेट में मौजूद बैक्टीरिया सीधे तौर पर हमारे मूड को नियंत्रित करते हैं। 'गैस्ट्रोएंटेरोलॉजी' जर्नल के एक शोध के अनुसार, विशिष्ट प्रोबायोटिक्स (जिन्हें साइकोबायोटिक्स कहा जाता है) का सेवन करने से एंग्जाइटी और डिप्रेशन के लक्षणों में कमी देखी गई है। पेट के गुड बैक्टीरिया शरीर का 90 प्रतिशत सेरोटोनिन यानी 'हैप्पी हार्मोन' बनाते हैं। इसलिए, खान-पान में सुधार सीधे मानसिक स्वास्थ्य को सुधारता है।

अज्ञात जगहों की यात्रा-नई भाषा सीखना

मस्तिष्क को पुरानी दिनचर्या और एक ही ढर्रे पर जीने से बोरियत और मानसिक थकान होती है। न्यूरोसाइंटिफिक अध्ययनों से पता चलता है कि जब आप किसी ऐसी जगह जाते हैं, जहां आप पहले कभी नहीं गए या कोई नई भाषा/संगीत वाद्ययंत्र सीखते हैं, तो मस्तिष्क के हिप्पोकैंपस क्षेत्र में नए न्यूरल कनेक्शन बनते हैं। न्यूरोप्लास्टिसिटी के सिद्धांतों के अनुसार, यह दिमागी लचीलापन पुरानी नकारात्मक सोच के चक्र को तोड़ने में मदद करता है।

क्रायोथेरेपी और कोल्ड शावर

सुबह-सुबह ठंडे पानी से नहाना आपके मूड को तुरंत बदल सकता है। इसे वैज्ञानिक भाषा में 'हॉर्मेसिस' कहा जाता है, यानी शरीर को एक छोटा, नियंत्रित तनाव देना जो अंततः फायदेमंद साबित हो। 'मेडिकल हाइपोथेसिस' जर्नल के एक प्रसिद्ध अध्ययन के अनुसार, ठंडे पानी से नहाने से मस्तिष्क में नॉरपेनेफ्रिन और एंडोर्फिन का स्तर बढ़ जाता है। यह त्वचा से मस्तिष्क तक भारी मात्रा में इलेक्ट्रिकल इंपल्स भेजता है, जिससे डिप्रेशन के लक्षणों में दवा जैसी राहत मिल सकती है।

बाइनॉरल बीट्स

यह एक प्रकार का श्रवण भ्रम है, जो तब बनता है जब दोनों कानों में दो अलग-अलग आवृत्तियों की थोड़ी भिन्न ध्वनियां सुनाई जाती हैं। 'बाइनॉरल' शब्द का अर्थ है 'दो कानों से संबंधित'। इसमें यह सिद्धांत काम करता है कि यदि दाएं कान में 300 हर्ट्ज और बाएं कान में 310 हर्ट्ज की ध्वनि दी जाए, तो दिमाग को 10 हर्ट्ज की तीसरी बीट का अहसास होता है। माना जाता है कि यह तकनीक मस्तिष्क की तरंगों को प्रभावित कर विश्राम या ध्यान की स्थिति में मदद करती है। यदि आपको ध्यान लगाने में कठिनाई होती है, तो ध्वनि विज्ञान आपकी मदद कर सकता है। 'फ्रंटियर्स इन ह्यूमन न्यूरोसाइंस' के शोध के अनुसार, बाइनॉरल बीट्स सुनने से गहरी शांति मिलती है और एंग्जाइटी कम होती है। यह तकनीक मस्तिष्क को बिना किसी विशेष प्रयास के ध्यान की स्थिति में ले जाती है।

वॉर्म्थ थेरेपी: गर्माहट का एहसास

जैसे ठंडा पानी काम करता है, वैसे ही शरीर को गहराई से गर्म करना भी मानसिक स्वास्थ्य के लिए चमत्कार कर सकता है। 'जामा साइकिएट्री' में प्रकाशित एक क्लीनिकल ट्रायल के अनुसार, 'होल-बॉडी हाइपरथर्मिया' (शरीर का तापमान बढ़ाना, जैसे गर्म टब में) से डिप्रेशन के लक्षणों में हफ्तों तक चलने वाली कमी देखी गई। गर्मी मस्तिष्क में ऐसे प्रोटीन को बढ़ाती है, जो नए ब्रेन सेल्स बनाने में मदद करता है।

एक्सप्रेसिव राइटिंग

यह केवल डायरी लिखना नहीं है, बल्कि बिना किसी काट-छांट के अपने सबसे गहरे और नकारात्मक विचारों को कागज पर उतारना है। मनोवैज्ञानिक डॉ. जेम्स पेनेबेकर के प्रसिद्ध शोधों से पता चलता है कि हर दिन 15-20 मिनट तक अपने तनाव या आघात के बारे में लिखने से वर्किंग मेमोरी बेहतर होती है, तनाव कम होता है और यहां तक कि शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता भी बढ़ती है। यह मस्तिष्क के इमोशनल सेंटर की अति-सक्रियता को शांत करता है। इससे दिमाग शांत और संतुष्टि महसूस करता है।

क्रोनोथेरेपी यानी जैविक घड़ी की सही सेटिंग

अपनी जैविक घड़ी को रीसेट करना अकसर मानसिक समस्याओं का सीधा संबंध हमारे सोने और जागने के गलत समय से होता है। क्रोनोथेरेपी में प्रकाश और समय के नियंत्रित उपयोग से जैविक घड़ी को ठीक किया जाता है। 'द लैंसेट साइकियाट्री' के एक अध्ययन के मुताबिक, सुबह की तेज धूप के संपर्क में आने से मेलाटोनिन और कोर्टिसोल का चक्र नियमित होता है। यह न केवल नींद की समस्याओं को ठीक करता है, बल्कि सीजनल अफेक्टिव डिसऑर्डर और गंभीर डिप्रेशन में भी बेहद प्रभावी पाया गया है। ❋

न्यूट्रिशस फूड्स खाने से शरीर को सभी जरूरी पोषक तत्व मिलते हैं, जिससे स्टेंथ और एनर्जी मिलती है। हम कई तरह के रोगों से भी बचे रहते हैं। लेकिन हाल में प्रकाशित रिपोर्ट में बताया गया है कि ऐसी डाइट से हमारा मूड भी हैप्पी रहता है, मेंटल हेल्थ बढ़िया रहती है।

मूड रहेगा हैप्पी-पॉजिटिव

रेग्युलर खाएं हेल्दी फूड्स

मेंटल हेल्थ / लोकमित्र गौतम

हमारा भोजन केवल पेट नहीं भरता, वह हमारे मस्तिष्क से संवाद भी करता है। इसलिए जब मन उदास हो, तनाव बढ़े या दिमाग धुंध में डूबा लगे, तो सवाल केवल यह नहीं कि हम क्या सोच रहे हैं- यह भी है कि हम क्या खा रहे हैं, कैसे सो रहे हैं और अपने शरीर के साथ कैसा व्यवहार कर रहे हैं? यह आज के दौर में ज्यादातर लोगों की समस्या है। हममें से बहुत से लोग इसे कभी थकान, कभी तनाव, कभी उम्र और कभी खराब याद्दाश्त का नाम देकर आगे बढ़ जाते हैं। लेकिन क्या हमारे मन, मस्तिष्क और भोजन के बीच भी कोई ऐसा रिश्ता है, जिसे हम लंबे समय से नजरअंदाज करते आए हैं? 'साइकोलॉजी नाउ' पत्रिका के हालिया अंक में प्रकाशित दो लेख- हैप्पी फूड और व्हाट इज ब्रेन फॉग? को साथ रखकर देखें तो एक दिलचस्प तस्वीर बनती है। पहला लेख जहां हमें यह बताता है कि मानसिक स्वास्थ्य केवल 'मन' का मामला नहीं है, इसमें भोजन और शरीर की भूमिका भी महत्वपूर्ण है। दूसरा लेख उस अनुभव की पड़ताल करता है, जिसमें व्यक्ति को लगता है कि उसका दिमाग जैसे धुंध से भर गया है। कहीं ध्यान नहीं लग रहा, बातें भूल रही हैं और सोचने की गति बेहद धीमी पड़ गई है। इन दोनों को मिलाकर देखें तो क्लीयर होता है कि हमारे भोजन और हमारे दिमाग के बीच सीधा रिश्ता है।

अच्छे खाने से मिले खुशी: भोजन को अब केवल पेट भरने या कैलोरी गिनने की चीज मानकर नहीं देखा जा सकता है। हमारा मस्तिष्क लगातार काम करता है। सोचने, याद रखने, निर्णय लेने और भावनाओं को समझने की जटिल प्रक्रिया में शरीर और मस्तिष्क के बीच निरंतर संवाद चलता रहता है। वास्तव में खुश करने वाले भोजन यानी हैप्पी फूड का केंद्रीय विचार यही है कि हमारे भोजन और 'ब्रेन फंक्शन' के बीच गहरा संबंध है। भोजन में मौजूद पोषक तत्व शरीर की उन प्रक्रियाओं के लिए महत्वपूर्ण हो सकते हैं, जिनका संबंध हमारे समग्र स्वास्थ्य और मानसिक सलामती से है। खाने का संबंध केवल हमारी फिटनेस तक सीमित नहीं रह गया है। यह हमारे मूड, ऊर्जा और मानसिक सक्रियता की बातचीत का भी हिस्सा बन गया है। कहने का मतलब यह कि पाचनतंत्र और मस्तिष्क को अलग-अलग मानना पूरी तरह सही नहीं है। शरीर के भीतर विभिन्न प्रणालियां लगातार एक-दूसरे से संवाद करती हैं, इसलिए भोजन की गुणवत्ता का असर हमारे अनुभवों से पूरी तरह अलग नहीं माना जा सकता।

क्या है ब्रेन फॉग: जब व्यक्ति को ध्यान केंद्रित करने में परेशानी हो, चीजें याद करने में कठिनाई महसूस हो, सोचने में स्पष्टता न रहे या मानसिक रूप से लगातार थकान महसूस हो, तो वह कह सकता है मेरा दिमाग आजकल ठीक से काम नहीं कर रहा। लेकिन साइकोलॉजी नाउ में छपा लेख, 'व्हाट इज ब्रेन फॉग', इसी अनुभव को सामने रखता है। वास्तव में इसमें कंसंट्रेशन की कठिनाई, मेमोरी प्रॉब्लम्स और मानसिक अस्पष्टता जैसी स्थितियों का ही उल्लेख किया गया है। लेकिन 'ब्रेन फ्रॉग' का सबसे परेशान करने वाला पहलू यह है कि ऐसा व्यक्ति जो इससे जूझ रहा हो, बाहर से बिल्कुल सामान्य दिखता है। वह अपना काम कर रहा होता है, लोगों से मिल रहा होता है, घर संभाल रहा होता है। लेकिन भीतर उसे लगता है कि उसकी मानसिक गति कुंद पड़ गई है। सवाल यह है कि क्या इसका रिश्ता हमारे खाए जाने वाले भोजन से भी होता है?

हैप्पी फूड-ब्रेन फॉग में रिलेशन: आमतौर पर जब तनाव बढ़ता है, तो हम जल्दी में खाना खाते हैं। थकान बढ़ती है तो हम प्रोसेस्ड फूड खाने में जोर देते हैं या मीठी चीजों खाना चाहते हैं, क्योंकि तत्काल रूप से यही खाना संतुष्टि देता है। नए अध्ययन में यह सामने आया है कि मन, शरीर, नींद, तनाव और भोजन को अलग-अलग खांचों में रखकर नहीं समझा जा सकता। 'ब्रेन फॉग' में तनाव, एंजाइटी, नींद की कमी, थकान और अन्य स्वास्थ्य संबंधी कारकों के संदर्भ में मानसिक अस्पष्टता की चर्चा हैप्पी फूड के निष्कर्षों से ही मेल खाता है। कहने का मतलब यह कि हैप्पी फूड, संतुलित और पोषक भोजन को हमारी मानसिक सलामती के संदर्भ में रखता है। मतलब यह कि अगर दिमाग को स्वस्थ रखना है तो हमें ऐसे फूड से नाता जोड़ना होगा, जो हमें खुश रखते हैं।

क्या होते हैं हैप्पी फूड्स: हैप्पी फूड कुछ ऐसे खाद्य पदार्थों का समूह है, जिन्हें पोषण की दृष्टि से उपयोगी माना गया है। इनमें एवोकाडो, बादाम, बेरीज, डार्क चॉकलेट, मशरूम, ओट्स और सालमन शामिल हैं। हैप्पी फूड का सीधा-सा मतलब है, ऐसा फूड जिसे खाने से आपके शरीर को जरूरी पोषक तत्व मिले और जो भोजन की पूरी गुणवत्ता पर खरा उतरता हो। विविधता से भरपूर भोजन, पोषक तत्वों से युक्त खाद्य पदार्थ, अच्छे फैट, फाइबर और अन्य पोषक तत्वों से संतुलित आहार हैप्पी फूड्स की श्रेणी में आते हैं और ये सभी कारगर हैं। ❋

गजल
कृष्ण बिहारी

बात जमाने की

तुम भी क्या बात करते हो जमाने की
यहां तो होड़ लगी है गंगा नहाने की।

पानी कम है घलो ये मान लिया हमने
जरूरत क्या है चुल्लू में डूब जाने की।

कोई मजबूरी है तो उसे कुबूल करो
सुनेगा कौन किसी बेवजह बहाने की।

जिंदगी भर जो आंसुओं के साथ रहा
कोशिश करता रहा सबको हंसाने की।

कुछ कदम साथ चलो तो जान जाओगे
उद्गम को क्या खबर अपने मुहाने की।

जानता हूं अकेला मैं टूट जाऊंगा
ताकत कम भी नहीं मुझको झुकाने की।

व्यंग्य / महेश कुमार केशरी

चीनी के साथ कटोरी भी फ्री दीजिए

जब दुकानदार सामान देता है तो साथ में पन्नी भी फ्री दे देता है। उसी तरह आपको भी होना है मेहरबान। चीनी के साथ-साथ कटोरी भी देना है, श्रीमान। तो सोचना क्या है, कोई कटोरी या ग्लास निकालिए और चीनी भरकर लाइए।

एक रोज पड़ोसी ने सुबह-सुबह ही दरवाजा खटखटाया। खटखटाकर पूछा, 'कैसे हैं श्रीमान!' हंसते हुए जब उन्होंने किया प्रणाम, तो बदले में मुझे भी करना पड़ा प्रणाम। जब दांत फाड़कर उन्होंने दिखाया अपना जबड़ा, तो मुझे भी दिखाना पड़ा अपना मुस्कुराता थोबड़ा। फिर उन्होंने हमसे पूछा, 'आपको तो साल भर हुआ सोसाइटी में आए। आप तो ईद के चांद हो गए हैं। क्या एकांत जीवी हैं आप या ले लिया है संन्यास? क्या सोसाइटी के किसी प्रोग्राम में नहीं है आपको दिलचस्पी?'

इस पर मैंने कहा, 'नहीं ऐसा तो नहीं है श्रीमान।'

वे बोले, 'ठीक है तब कभी आइए, हमारे घर चाय पीने। कभी अपने घर भी बुलाइए। इसी बहाने मेल-जोल बढ़ेगा। आदमी मेल-जोल बढ़ाने से ही सामाजिक बनता है।'

उनकी बात को मैं टाल गया। लेकिन वो अगले दिन फिर आ धमके। खीसें निपोरते बोले, 'आपको परेशानी तो होगी। हो गई है रात। नहीं तो बाजार जाकर भी ला सकता था सामान। नहीं देता कोई आपको कष्ट। पड़ोसी हैं तो पड़ोसी होने के नाते काम आना चाहिए।' मैं बोला, 'जी भाई आप बताइए, क्या कोई जरूरी काम है?' 'काम तो कोई खास नहीं। मेरे यहां चीनी खत्म हो गई है। आज आप मेरा काम चलाइए, कल आपका काम मैं चलाऊंगा। बस इतनी सी है बात।' उन्होंने गुजारिश की। मैंने कहा, 'लेकिन चीनी कैसे दूं। आप तो खाली हाथ आए हैं!' वे तुरंत बोले, 'अरे श्रीमान ये इतनी बड़ी समस्या नहीं है। आसान है निदान। जब दुकानदार सामान देता है तो साथ में पन्नी भी फ्री दे देता है। उसी तरह आपको भी होना है मेहरबान। चीनी के साथ-साथ कटोरी भी देना है, श्रीमान। कोई कटोरी या ग्लास निकालिए और चीनी भरकर लाइए। फिर कटोरी ग्लास का आदान-प्रदान चलता रहेगा।' पिंड छुड़ाने के लिए एक कटोरा चीनी उनको निकालकर दे दिया। पड़ोसी लाल हंसते हुए चले गए। लेकिन इसके बाद वो रोज ही आने लगे। कभी चीनी मांगने, कभी तेल मांगने। कभी कटोरी लौटाने के बहाने से आते और मेरा आटा गीला कर जाते। इस तरह से मेरा राशन का बजट बिगड़ने लगा। कभी कटोरी लौटाने के बहाने आते और आकर किचन में यह कहते हुए घुस जाते कि लगता है आज कुछ स्पेशल बन रहा है! क्यों ना खाना आज आपके यहां खा लूं!

इस तरह रोज वो आते और किसी ना किसी बहाने से कुछ ना कुछ खाते या कटोरी में ले जाते। कभी कहते, 'मेरी पत्नी को भिंडी मसाला बनाना ही नहीं आता है। आपके यहां की भिंडी मसाला क्या गजब का बनता है। आपके यहां की पालक पनीर के क्या कहने। वाह! नाम लेते ही देखिए मुंह में पानी आ गया।' मैं आशय समझ जाता और कटोरे में दाल और सब्जी भरकर ले आता। मटन, चिकन जिस दिन बनता, वे पूरे दिन मेरे घर में ही अड्डा जमाए रहते। कहते, 'भाई बहुत चिकन और मटन खाया हूं। लेकिन भाभीजी के हाथों में तो जैसे जादू है। ऐसा खाना मैंने पूरी जिंदगी में कभी नहीं खाया है।' उनका आशय मैं समझ जाता और खीझते हुए ही सही, उन्हें कटोरी भरकर दे देता हूं। ❋

लघुकथा / देवेंद्र सिंह सिसौदिया

अनुभवी

कॉलोनी के पार्क में सुबह की सैर पर निकले शर्मा जी ने उत्साहित होकर वर्मा जी से कहा, 'सुना आपने, हाल ही में हुए घोटाले की जांच के लिए सरकार ने उच्चस्तरीय समिति गठित कर दी है!' 'अच्छी बात है,' वर्मा जी बोले, 'अब तो दूध का दूध और पानी का पानी हो जाएगा।' 'होना ही चाहिए। सचिव स्तर की समिति है। बड़े-बड़े अधिकारी इस जांच समिति के सदस्य हैं।' शर्माजी ने कहा। कुछ देर बाद टहलते- टहलते वर्मा जी ने पूछा, 'जांच का नेतृत्व कौन कर रहा है?'

'अरोरा साहब...' शर्मा जी ने बताया।

'वही अरोरा, जो कुछ साल पहले भ्रष्टाचार और अमानत में खयानत के आरोप में निलंबित हुए थे?'

शर्मा जी कुछ पल सोचते रहे, फिर बोले, 'हां... वही अरोरा साहब।' दोनों के कदम एकाएक रुके और दोनों पार्क में लगी बेंच पर बैठ गए। कुछ देर दोनों के बीच खामोशी छाई रही। फिर वर्मा जी मुस्कुराए और बोले, 'जांच के लिए अनुभवी आदमी ही चुना है। चोरी के सारे तौर-तरीके अच्छी तरह जानते हैं... दूध से पानी अलग करने में आसानी रहेगी।' यह सुनकर शर्मा जी ने भी मुस्कुराते हुए अपनी सहमति प्रकट की। ❋

पत्रिका चर्चा / विज्ञान भूषण

विद्यासागर नौटियाल पर एकाग्र

टिहरी गढ़वाल के छोटे से गांव से ताल्लुक रखने वाले कथाकार विद्यासागर नौटियाल ने, हिंदी साहित्य में पहाड़ी जीवन की तमाम विसंगतियों को प्रमुखता से अभिव्यक्त किया। उनकी रचनाशीलता के तमाम आयामों को विवेचित करता 'बनास जन' पत्रिका का विशेषांक (प्रतिरोध के आख्यानकार: विद्यासागर नौटियाल) हाल में प्रकाशित हुआ है। इसमें कई युवा और वरिष्ठ लेखकों ने उनकी कहानियों, उपन्यासों और कथेतर साहित्य को मूल्यांकित किया है। पत्रिका के संपादक पल्लव ने नौटियाल की रचनाशीलता पर सटीक टिप्पणी की है। वे लिखते हैं, 'पहाड़ की रमणीयता में वे वंचितों के दबे स्वरों को खूब पहचानते हैं और उन्हें अपने लेखन में जरूरी जगह प्रदान करते हैं।' उनकी कहानियों के बारे में कई लेखकों ने बेहतरीन लेख लिखे हैं। शंभु गुप्त का लेख विशेष रूप से पठनीय है। अपने लेख में वे लिखते हैं, 'विद्यासागर नौटियाल गहरे जन-प्रतिबद्ध व लोक समर्पित कथाकार हैं।' पत्रिका में नौटियाल से जुड़े कुछ मार्मिक संस्मरण भी पढ़े जा सकते हैं। 'पहाड़ के प्रति प्रतिबद्ध जीवन' संस्मरणात्मक लेख में वरिष्ठ लेखक नवीन जोशी कहते हैं, 'यह उनकी पहाड़ के प्रति अटूट प्रतिबद्धता थी। इसके लिए उन्होंने (कम्युनिस्ट) पार्टी लाइन का खुला विरोध कर दिया था।' ❋

पत्रिका: बनास जन (विशेषांक-प्रतिरोध के आख्यानकार: विद्यासागर नौटियाल), संपादक: पल्लव, मूल्य: 200 रुपए
प्रकाशन स्थान: आनंदपुर खास, नई दिल्ली

जन-जन के सुख, शान्ति और समृद्धि के लिए धर्म, अध्यात्म और सनातन संस्कृति का भव्य संगम झाँसी में - 4 से 13 दिसंबर तक श्री शिव महापुराण एवं श्री हनुमंत कथा का आयोजन

(यंग भारत न्यूज)

झांसी । झाँसी के समूचे जनमानस की सुख, शांति और समृद्धि के लिए धर्म, अध्यात्म और भारतीय सनातन संस्कृति के प्रति जन–जन को जोड़ने तथा समूचे समाज में आध्यात्मिक चेतना का संदेश पहुँचाने के उद्देश्य से झाँसी में दिसंबर माह में लगातार दस दिनों तक दो भव्य धार्मिक आयोजनों का समायोजन किया जा रहा है। इस अवसर पर श्रद्धालुओं को देश के सुप्रसिद्ध संतों के श्रीमुख से आध्यात्मिक कथा एवं धर्मोपदेश सुनने का अवसर प्राप्त होगा।

आयोजक पं. रवि शर्मा ने आज आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में दोनों धार्मिक आयोजनों की विस्तृत जानकारी देते हुए बताया कि 4 दिसंबर से 13 दिसंबर 2026 तक झाँसी में धर्म एवं अध्यात्म से जुड़े दो महत्वपूर्ण कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इन आयोजनों में झाँसी सहित बुन्देलखण्ड और आसपास के क्षेत्रों से बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के सम्मिलित होने की उम्मीद है।

दिनांक 4 से 10 दिसंबर तक श्री शिव महापुराण

पं. रवि शर्मा ने बताया कि प्रथम आयोजन के अंतर्गत 4 दिसंबर से 10 दिसंबर 2026 तक राधिका आर्केड के सामने, कानपुर रोड, झाँसी में अंतरराष्ट्रीय ख्यातिलब्ध श्रद्धेय पं. प्रदीप मिश्रा जी के ओजस्वी श्रीमुख से श्री शिव महापुराण एवं विषाल पार्थिव शिवलिंग निर्माण का आयोजन किया जाएगा। भगवान शिव की महिमा, भक्ति, श्रद्धा और सनातन परंपराओं से जुड़े विभिन्न प्रसंगों का श्रद्धालुओं को श्रवण कराया जाएगा। कथा के माध्यम से भगवान शिव के प्रति आस्था, भारतीय धार्मिक परंपराओं और आध्यात्मिक जीवन के महत्व को जन–जन तक पहुँचाने का प्रयास किया जाएगा। पार्थिव शिवलिंग निर्माण भी इस आयोजन का विशेष आकर्षण रहेगा। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार भगवान शिव की आराधना में पार्थिव शिवलिंग पूजन का विशेष महत्व माना जाता है। इस आयोजन के माध्यम से श्रद्धालुओं को सामूहिक रूप से शिव आराधना एवं कथा श्रवण का अवसर प्राप्त होगा। आयोजक मंडल ने बताया कि श्री शिव महापुराण के आयोजन को लेकर श्रद्धालुओं में विशेष उत्साह है। झाँसी में इस प्रकार के बड़े धार्मिक आयोजन से शहर के जन–जन में सुख षान्ति एवं समृद्धि के लिए धार्मिक एवं सांस्कृतिक वातावरण को भी नई ऊर्जा मिलने की उम्मीद है।

दिनांक 11 से 13 दिसंबर तक श्री हनुमंत कथा

श्री शिव महापुराण के आयोजन के पश्चात 11 दिसंबर से 13 दिसंबर 2026 तक इसी स्थल पर श्री हनुमंत कथा का आयोजन किया जाएगा। इस अवसर पर स्वनामधन्यश्रद्धेय श्री धीरेन्द्र शास्त्री जी, पीठाधीश्वर श्री 1008 श्री बागेश्वर धाम सरकार के ओजस्वी श्रीमुख से श्री हनुमंत कथा का श्रवण कराया जाएगा। श्री हनुमान जी भारतीय सनातन परंपरा में भक्ति, सेवा, समर्पण, साहस और प्रभु श्रीराम के प्रति अटूट निष्ठा के प्रतीक माने जाते हैं। श्री हनुमंत कथा के माध्यम से श्रद्धालुओं को भगवान श्रीराम एवं श्री हनुमान जी की भक्ति, धर्म, संस्कार और सेवा के संदेश से जुड़ने का अवसर मिलेगा। आयोजक पं. रवि शर्मा ने कहा कि दोनों आयोजन केवल धार्मिक कार्यक्रम नहीं हैं, बल्कि झाँसी के जनमानस की सुख, शांति और समुद्धि की कामना के साथ सनातन संस्कृति, आध्यात्मिक चेतना और सामाजिक एकता का संदेश देने वाले अवसर हैं। इन आयोजनों के माध्यम से नई पीढ़ी को भी भारतीय संस्कृति एवं धार्मिक परंपराओं से जोड़ने का प्रयास किया जाएगा।

श्रद्धालुओं से सहभागिता का आह्वान

पं. रवि शर्मा ने झाँसी एवं आसपास के जनपदों के सभी श्रद्धालुओं, धर्मप्रेमी नागरिकों और सनातन संस्कृति में आस्था रखने वाले लोगों से दोनों आयोजनों में सहभागी बनने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि झाँसी की धरती धार्मिक एवं ऐतिहासिक दृष्टि से विशेष महत्व रखती है। ऐसी पावन धरती पर संतों के श्रीमुख से कथा श्रवण का अवसर पूरे क्षेत्र के लिए आध्यात्मिक दृष्टि से महत्वपूर्ण है। उन्होंने सभी श्रद्धालुओं से शांतिपूर्ण एवं अनुशासित वातावरण में कथा का श्रवण करने तथा आयोजन को सफल बनाने में सहयोग करने की अपील की। आयोजक मंडल द्वारा कार्यक्रम में आने वाले श्रद्धालुओं की सुविधा को ध्यान में रखते हुए आवश्यक व्यवस्थाएँ सुनिश्चित करने की तैयारी की जा रही है। आयोजन स्थल पर श्रद्धालुओं की सुविधा, बैठने की व्यवस्था तथा अन्य आवश्यक प्रबंधों को लेकर संबंधित स्तर पर तैयारियाँ की जा रही हैं।

दस दिनों तक रहेगा आध्यात्मिक वातावरण

लगातार आठ दिनों तक होने वाले इन दोनों आयोजनों से झाँसी में धार्मिक एवं आध्यात्मिक वातावरण बनेगा। पहले सात दिनों तक श्री शिव महापुराण एवं पार्थिव शिवलिंग निर्माण और उसके बाद तीन दिनों तक श्री हनुमंत कथा का आयोजन होगा। आयोजक पं. रवि शर्मा ने कहा कि उनका मुख्य उद्देश्य झाँसी के जनमानस को सुख शान्ति एवं समृद्धि के लिए ऐसे आध्यात्मिक आयोजनों से जोड़ना है, जहाँ श्रद्धालु कथा श्रवण के साथ–साथ भारतीय संस्कृति, धर्म और जीवन मूल्यों के संदेश को समझ सकें। उन्होंने कहा कि 'धर्म और अध्यात्म व्यक्ति के जीवन में संस्कार, सेवा, सद्भाव और सकारात्मक सोच को मजबूत करने का माध्यम हैं। झाँसी की जनता को इन दोनों आयोजनों में सहभागी बनने का अवसर मिलना हम सभी के लिए सौभाग्य की बात है।' उन्होंने समस्त संत समाज, धर्माचार्यों, सामाजिक संगठनों, धार्मिक संस्थाओं एवं झाँसीवासियों से आयोजन को सफल बनाने में सहयोग की अपील की।

कार्यक्रम एक नजर में

श्री शिव महापुराण एवं पार्थिव शिवलिंग निर्माण

दिनांक: 4 से 10 दिसंबर 2026

कथा वक्ता: अंतरराष्ट्रीय ख्यातिलब्ध श्रद्धेय पं. प्रदीप मिश्रा जी

स्थान: राधिका आर्केड के सामने, कानपुर रोड, झाँसी

श्री हनुमंत कथा

दिनांक: 11 से 13 दिसंबर 2026

कथा वक्ता: श्रद्धेय श्री धीरेन्द्र शास्त्री जी, पीठाधीश्वर श्री बागेश्वर धाम सरकार

स्थान: राधिका आर्केड के सामने, कानपुर रोड, झाँसी

समस्त श्रद्धालुओं से सादर आग्रह

आइए, झाँसी की पावन धरती पर होने वाले इस आठ दिवसीय आध्यात्मिक महाआयोजन में सहभागी बनें और श्री शिव महापुराण एवं श्री हनुमंत कथा का श्रवण कर धर्म, भक्ति, संस्कार एवं सनातन संस्कृति के संदेश से जुड़ें। इस अवसर पर श्री हरिओम पाठक धर्माचार्य, श्री मनोज थापक ज्योतिषाचार्य, श्री हरिओम थापक ज्योतिषाचार्य, श्री मनमोहन गेड़ा, श्री संजय पटवारी, श्री संतोष साहू, श्री पंकज शुक्ला, श्री परन शर्मा, श्री आनंद अग्रवाल रॉयल मेल, श्री अभिषेक भार्गव, श्री गोकुल दुबे, मंडल अध्यक्ष श्री दिलीप पुरी, श्री मोनू शिवहरे, श्री कुशाग्र त्रिवेदी, श्री मार्तण्ड स्वामी, श्री सियाशरण चतुर्वेदी, श्री अनिल सुडेले, श्री देवेन्द्र दुबे, श्री मैथली मुदगिल, श्री विनोद अग्रवाल स्टील, श्री चन्द्रशेखर साहू, श्री सशील भार्गव, श्री पंकज भार्गव, श्री आशुतोष द्विवेदी, श्री संजीव बुधौलिया, श्री कमल सहगल, श्री सुरेन्द्र शर्मा, श्री आशीष तिवारी, डॉ0 अभिषेक गोस्वामी, श्री पप्पन पाठक, श्री गोल्डी शर्मा, श्री नरेन्द्र यादव, श्री कम्मू तिवारी, श्री लखनलाल गुप्ता, श्री विवेक परिहार, श्री सुजीत तिवारी, श्री कल्लू पुरी, श्री अन्नू गुप्ता, श्री राकेश पलया आदि लोग उपस्थित रहे।

मर्दों का क्या भरोसा.... ! यह कैसी सोच है.....?

(यंग भारत न्यूज)

कुछ दिन से इस वाक्य को सुन देख रही सच पूछिए हृदय व्यथित है। जब इस वाक्य पर सहमति देखी ......! मर्दों का क्या भरोसा...'

कहने और सुनने में यह सिर्फ एक वाक्य ...! लेकिन यदि इसे बार–बार दोहराकर हर पुरुष के चरित्र पर संदेह का वातावरण बनाया जाए, तो यह सिर्फ एक टिप्पणी भर नहीं रह जाता,यह पूर्वाग्रह को सामान्य बनाने वाली सोच बन जाता है.... !

यदि किसी पुरुष ने अपराध किया है तो उसका नाम लीजिए।

और उसके अपराध की बात कीजिए। उसके विरुद्ध कार्रवाई की माँग कीजिए। किन्तु अपराधी के लिंग को अपराध का प्रमाण बना देना किस तर्क का हिस्सा है... ?????

क्या एक अपराधी पुरुष की पहचान 'पुरुष' है, इसलिए हर पुरुष अपराधी है..... ?

यदि किसी महिला के अपराध के आधार पर पूरे महिला समाज को कटघरे में खड़ा करना गलत है, तो पुरुषों के साथ वही व्यवहार सही कैसे हो सकता है..... ??

जिस समाज में पिता हैं, भाई हैं, बेटे हैं, पति हैं, मित्र हैं—उसी समाज में हर पुरुष को एक ही रंग में रंग देना आखिर किस मानसिकता का परिचायक है.... ??

माना कि कड़वे अनुभवों को आवाज़ मिलनी चाहिए, किन्तु

'एक ही साँचे में सभी को ढालकर कुछ कड़वे अनुभवों के द्वारा हम हृदय मलिन करें और वह मानसिकता औरों के बीच सांझा करें।

सबसे बड़ी विडंबना कि लोग ग़लत और सही का आंकलन मूल्यांकन और परिणाम ही भूल चुके हैं तभी ऐसे विचारों पर वाह वाही करते .... ! इसके पीछे का हेतु ही भूल जाते हैं बिल्कुल आंख बंद कर ऐसी बातों और विचारों का प्रोत्साहन करते हैं।

मैं एक बात कहना चाहूंगी कि,किसी गलत पुरुष से आप कठोर प्रश्न कीजिए, लेकिन उस पिता से नहीं जिसने जीवन भर अपने परिवार का भार उठाया।

उस भाई से नहीं जिसने बहन के लिए अपना सुख छोड़ा।

उस बेटे से नहीं जिसने माता–पिता की जिम्मेदारी निभाई।

उस पुरुष से नहीं जिसने रिश्तों में सम्मान और संवेदना को प्राथमिकता दी।

दोष व्यक्ति का है तो जवाबदेही भी व्यक्ति की ही होनी चाहिए.... !

स्त्री की सुरक्षा, सम्मान और स्वतंत्रता पर कोई समझौता नहीं होना चाहिए। जहाँ अपराध हो, वहाँ आवाज़ उठनी चाहिए। जहाँ व्यवस्था विफल हो, वहाँ सवाल होने चाहिए। जहाँ अधिकारों का हनन हो, वहाँ संघर्ष भी होना चाहिए।लेकिन...... !! संघर्ष का अर्थ......... ! यह नहीं कि हर पुरुष को संभावित अपराधी ही मान लिया जाए.... ! और यही वह बिंदु है जहाँ हमें अपने शब्दों की जिम्मेदारी समझनी होगी। कम से कम ओन सोशल मीडिया आप क्या बोल रहे कहां बोल रहे और किसके लिए बोल रहे वाह वाही बटोरने के लिए आपको खूब लाईक कमेंट मिले जाएंगे लेकिन किस क्या को रहे आप .... ! एक स्त्री होकर अपने पिता भाई, पति, मित्र पुत्र इन सभी के सम्मान की जिम्मेदारी क्या किसी और की है .... ?? जब सम्पूर्ण पुरुष समाज पर उंगलियां उठाते हैं.... ?? मुझे कहते हुए तनिक भी संकोच नहीं कि स्त्री पुरुष को कितना भी बदनाम कर ले किसी भी रुप में पुरुष उसकी सबसे बड़ी जरुरत है रिश्तों को तो एक ओर रखिए रुपये पैसे घर की जिम्मेदारियों से लेकर हर कीमती सामान तक। और यदि ऐसा न हो तो किसी का घर बर्बाद न हो। इसके पीछे का हेतु समझने का प्रयास कीजिएगा यदि समझ पाएं..... ! स्त्री की स्वतंत्रता आवश्यक है,लेकिन पुरुष–विरोध उसकी शर्त कतई नहीं... ! पुरुष की गरिमा आवश्यक है, लेकिन स्त्री की स्वतंत्रता उसकी कीमत नहीं..... ! समाज तब आगे बढ़ेगा जब हम अपराधी को उसके अपराध से पहचानेंगे, उसके लिंग से नहीं... !

और अंत में उसी वाक्य पर लौटना जरूरी है—

'मर्दों का क्या भरोसा...'

कहने से पहले सोचिएगा जरूर .... !

यदि यह वाक्य किसी एक बुरे अनुभव की पीड़ा से निकला है, तो उस पीड़ा को समझिए। लेकिन यदि इसे हर पुरुष के विरुद्ध नफरत और अविश्वास फैलाने वाले शस्त्र की तरह प्रयोग में किया जा रहा है, तो उस सोच पर प्रश्न उठना भी उतना ही जरूरी है...... !

क्योंकि संस्कार का अर्थ केवल यह नहीं कि सामने वाला हमारे साथ कैसा व्यवहार करे। संस्कार यह भी बताते हैं कि हम असहमति में उसके बारे में कैसी भाषा का करते हैं। कुछ गिनी–चुनी आवाज़ें यदि अपने निजी अनुभव या आक्रोश को पूरे पुरुष समाज की पहचान बनाने लगें, तो यह स्वतंत्र अभिव्यक्ति से आगे बढ़कर सामाजिक विभाजन को हवा देने वाली मानसिकता बन सकती है।नफ़रत को नारीवाद का नाम मत दीजिए....! सामूहिक आरोप को आज़ादी का प्रमाण मत बनाइए।और अपने कड़वे अनुभवों को हर रिश्ते की अंतिम सच्चाई मत बनाइए।

क्योंकि—माना होगा कोई एक बुरा सभी बुरे हो जरूरी तो नहीं

फूलों संग उग आते हैं कांटे पर हर फूल बबूल तो नहीं।

उनमें कोई पिता,भाई, पति,या बेटा जरा सोच कर तो देख

जिसमें अट रही शख्सियत वो नफरतों की धूल तो नहीं.. !

मेरे लिए प्रत्येक पुरुष समाज सम्माननीय है और यदि हम किसी ग़लत वाक्य पर उसकी सहमति पर टिप्पणी करते हैं तो मैं नहीं समझती कि फिर वे परिवार या परिवार की जड़ों से जुड़े हैं क्योंकि हमारे पारिवारिक संस्कारों ने यह नहीं सिखाया और न ही आगे हस्तांतरित करना। अपने विचारों को स्वस्थ एवं सकारात्मक रखें यह सृष्टि समाज और परिवार किसी एक के सहयोग से नहीं चल रही और न ही चल सकती है। स्त्री पुरुष दोनों एक दूसरे के पूरक हैं न कोई कम न ज्यादा।

सीमाशर्मा 'तमन्ना'
नोएडा उत्तर प्रदेश

उ0प्र0 लोक सेवा आयोग प्रयागराज द्वारा आयोजित स्वास्थ्य शिक्षा अधिकारी परीक्षा-2025 जनपद के 14 परीक्षा केंद्रों पर नकल विहीन सकुशल संपन्न

- **उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग प्रयागराज द्वारा आयोजित परीक्षा में 3063 परीक्षार्थी रहे अनुपस्थित**
- **सेक्टर व स्टैटिक मजिस्ट्रेटों एवं सी0सी0टी0वी0 कैमरे की निगरानी में रहे सभी परीक्षार्थी**
- **केंद्र में इलेक्ट्रानिक उपकरण व मोबाइल व किसी भी प्रकार के इलेक्ट्रॉनिक गजट पर रही पाबंदी**
- **नगर मजिस्ट्रेट ने भी परीक्षा के दौरान परीक्षा की सुचिता एवं यातायात व्यवस्था बनाए रखने के लिए किया भ्रमण**
- **शांतिपूर्ण और पारदर्शी ढंग से परीक्षा संपन्न कराए जाने पर अपर जिलाधिकारी ने दी समस्त अधिकारियों एवं परीक्षा से जुड़े कार्मिकों को बधाई**

(यंग भारत न्यूज)

झांसी। उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग प्रयागराज द्वारा आयोजित स्वास्थ्य शिक्षा अधिकारी (स्क्रीनिंग) परीक्षा–2025 जनपद में 04 अक्टूबर को एक पाली में 14 परीक्षा केंद्रों पर सम्पन्न करायी गई। आयोजित होने वाली परीक्षा सुबह 09:30 से दोपहर 11:30 बजे तक सकुशल संपन्न हुई। अपर जिलाधिकारी श्री शिव प्रताप शुक्ल ने नकलविहीन व सुचितापूर्ण परीक्षा सम्पन्न कराने के लिए विभिन्न परीक्षा केंद्रों का निरीक्षण किया और प्राचार्य /केन्द्र व्यवस्थापको को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। जनपद में आयोजित परीक्षा को सकुशल और शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के दृष्टिगत जिलाधिकारी के निर्देशन पर एडीएम प्रशासन सहित अन्य अधिकारियों ने भी विभिन्न परीक्षा केंद्रों के साथ अन्य व्यवस्थाओं को सुचारू बनाए रखने के लिए भ्रमण किया।

अपर जिलाधिकारी श्री शिव प्रताप शुक्ल एवं एसपी सिटी प्रीति सिंह ने बुंदेलखंड विश्वविद्यालय,एसपीआई इंटर कालेज, सूरज प्रसाद बालिका इंटर कॉलेज, नेशनल हाफ़िज़ सिद्दकी इंटर कालेज, वीएमएल राजकीय महिला महाविद्यालय का निरीक्षण करते हुए स्पष्ट शब्दों में कहा कि शूचितापूर्ण व नकल विहीन परीक्षा सम्पन्न कराने में किसी भी स्तर पर लापरवाही बरतने पर होगी कार्यवाही। उन्होने यह भी कहा कि सोशल मीडिया पर भी कड़ी निगरानी रखी जा रही है यदि किसी के द्वारा गलत अफवाह फैलाया जाता है तो उसके विरूद्ध भी कार्यवाही की जायेगी। परीक्षा में किसी भी प्रकार का मोबाइल, इलेक्ट्रानिक सामान/उपकरण, घड़ी आदि ले जाना पूर्ण प्रतिबन्धित रहा। परीक्षा केन्द्र के मुख्य गेट पर परीक्षार्थियो की तलाशी सुनिश्चित कराते हुए किसी भी अनुचित साधन के प्रयोग को पूर्ण तरह रोका गया। मौके पर महिला परीक्षार्थियो के तलाशी के लिये विधिवत इनक्लोजर/केबिन बना कर महिला द्वारा ही तलाशी ली गई। उन्होने कहा कि उत्तर प्रदेश अधीनस्थ सेवा आयोग द्वारा दिये गये अनुदेशो का सभी प्राचार्य/केन्द्र व्यवस्थापक, मजिस्ट्रेट भली भांति निर्देशानुसार परीक्षा को सम्पन्न कराया गया। परीक्षा केन्द्रों पर स्टैटिक मजिस्ट्रेटो के अलावा सेक्टर मजिस्ट्रेट की ड्यूटी लगायी गई, सभी अपने परीक्षा केंद्रों पर मुस्तैद रहे। केन्द्र व्यवस्थापको द्वारा परीक्षा में शामिल होने वाले छात्र–छात्राओं को परीक्षा केन्द्र में प्रवेश एवं सिटिंग व्यवस्था के साथ–साथ पेयजल, शौचालय, प्रकाश व्यवस्था पहले से सुनिश्चित किया गया। परीक्षा केंद्र के निरीक्षण के दौरान केन्द्रो पर लगाये गये समस्त सी0सी0टी0वी0 कैमरा अनवरत चालू हालत में मिले। अपर जिलाधिकारी प्रशासन श्री शिव प्रताप शुक्ल ने जानकारी देते हुये बताया कि आज परीक्षा 04 अक्टूबर 2026 को 14 परीक्षा केंद्रों पर एक पाली में शुचितापूर्ण ढंग से सम्पन्न हुई। स्वास्थ्य शिक्षा अधिकारी, (स्क्रीनिंग) परीक्षा–2025 में 5635 परीक्षार्थियों को सम्मिलित होना था, परंतु 2572 परीक्षार्थी उपस्थित रहे और 3063 परीक्षार्थी अनुपस्थित रहे।

अपर जिलाधिकारी प्रशासन ने बताया कि जिलाधिकारी के निर्देश पर आने वाले परीक्षार्थियों को किसी भी तरह की कोई समस्या न हो। इसके दृष्टिगत नगर मजिस्ट्रेट श्री योगेश्वर सिंह ने रात्रि में भ्रमण कर बाहर से आने वाले परीक्षार्थियों से संवाद स्थापित करते हुए उन्हें जानकारी दी और रेलवे स्टेशन पर बनाएं हेल्प डेस्क का निरीक्षण किया। परीक्षा केंद्रों के निरीक्षण के दौरान टीपीओ श्री दिनेश सिंह राजपूत, कमांडेंट पीआरडी श्री शिवराम सिंह, जिला प्रोबेशन अधिकारी श्री सुरेंद्र कुमार पटेल, पुलिस बल सहित केंद्र व्यवस्थापक एवं बड़ी संख्या में अभिभावक उपस्थित रहे।

बुंदेलखंड राज्यः व्यक्तिगत स्वार्थ नहीं, सामूहिक भविष्य का सवाल

सत्येन्द्र पाल सिंह
राष्ट्रीय अध्यक्ष, बुंदेलखंड क्रांति दल

(यंग भारत न्यूज)

बुंदेलखंड राज्य के निर्माण की चाहत रखने वाले प्रत्येक व्यक्ति का हम हृदय से आभार व्यक्त करते हैं। पृथक बुंदेलखंड राज्य किसी एक व्यक्ति, संगठन अथवा राजनीतिक दल का विषय नहीं है। यह पूरे बुंदेलखंड के भविष्य से जुड़ा सवाल है। इसलिए जो भी व्यक्ति बुंदेलखंड राज्य के निर्माण की भावना रखता है, वह हमारा साथी है और हम उसके साथ हैं।

बुंदेलखंड राज्य का आंदोलन किसी व्यक्तिगत लाभ की प्राप्ति का माध्यम नहीं है। यह आने वाली पीढ़ियों के बेहतर भविष्य, क्षेत्र के विकास और अपने अधिकारों के लिए लोकतांत्रिक संघर्ष का विषय है। इस आंदोलन से जुड़ने वाले प्रत्येक व्यक्ति को यह समझना होगा कि यहां तत्काल व्यक्तिगत लाभ मिलने वाला नहीं है। संघर्ष लंबा हो सकता है, रास्ता कठिन हो सकता है, लेकिन लक्ष्य स्पष्ट है—पृथक बुंदेलखंड राज्य। हम एक बात बिल्कुल स्पष्ट करना चाहते हैं कि बुंदेलखंड क्रांति दल सरकार में नहीं है। इसलिए हम किसी अधिकारी को डराकर या दबाव बनाकर किसी व्यक्ति का व्यक्तिगत काम नहीं करा सकते। प्रत्येक काम की एक कानूनी और प्रशासनिक प्रक्रिया होती है। यदि किसी व्यक्ति का काम कानून के अनुसार होने योग्य है तो उसे कानूनी तरीके से कराने में हम यथासंभव सहायता कर सकते हैं। जहां कानूनी सलाह की आवश्यकता है, वहां अधिवक्ता की भूमिका महत्वपूर्ण है। जहां प्रशासनिक प्रक्रिया की आवश्यकता है, वहां संबंधित विभाग और अधिकारी के समक्ष निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार बात रखनी होगी। हमारा विश्वास किसी अधिकारी को भयभीत करने में नहीं, बल्कि कानून के शासन और लोकतांत्रिक व्यवस्था में है। हम जनता को झूठे आश्वासन देकर अपने साथ जोड़ने की राजनीति नहीं करना चाहते। हमारा उद्देश्य साफ है—बुंदेलखंड राज्य का निर्माण। यह आंदोलन उन लोगों के लिए नहीं है जो अपने व्यक्तिगत स्वार्थ की पूर्ति के लिए किसी आंदोलन का उपयोग करना चाहते हैं। यदि कोई व्यक्ति मातृभूमि और क्षेत्र के हित की लड़ाई में भी अपना निजी लाभ तलाशता है, तो उसे इस आंदोलन से दूर रहना चाहिए। इसी तरह बुंदेलखंड क्रांति दल किसी खनिज माफिया, भू–माफिया, सट्टा माफिया, मादक पदार्थों के अवैध कारोबार से जुड़े व्यक्ति अथवा किसी भी गैर–कानूनी गतिविधि करने वाले व्यक्ति का संरक्षण नहीं करता। बुंदेलखंड के नाम पर किसी भी प्रकार की अवैध गतिविधि को स्वीकार नहीं किया जा सकता।बुंदेलखंड राज्य आंदोलन की शक्ति उसकी ईमानदारी, जनभागीदारी और लोकतांत्रिक संघर्ष में है। हमें इतिहास से प्रेरणा लेनी चाहिए। देश की आजादी के लिए असंख्य लोगों ने अपना जीवन और अपना सर्वस्व त्याग दिया। स्वतंत्रता संग्राम में शामिल लोगों ने व्यक्तिगत लाभ के लिए संघर्ष नहीं किया था। उनका उद्देश्य आने वाली पीढ़ियों को स्वतंत्र भारत देना था। उसी भावना के साथ हमें बुंदेलखंड के लिए संघर्ष करना होगा आज जो व्यक्ति बुंदेलखंड राज्य के आंदोलन में समय देता है, वह संभव है कि अपने संघर्ष का तत्काल कोई व्यक्तिगत लाभ न देख पाए। लेकिन यदि आंदोलन सफल होता है तो उसका लाभ किसी एक व्यक्ति को नहीं, बल्कि पूरे बुंदेलखंड को मिलेगा। हमारी आने वाली पीढ़ियों को इसका लाभ मिलेगा। और यदि हम अपने क्षेत्र के लिए आवाज नहीं उठाएंगे, संघर्ष नहीं करेंगे और एकजुट नहीं होंगे, तो इसका नुकसान भी किसी एक व्यक्ति का नहीं होगा—उसका प्रभाव पूरे बुंदेलखंड पर पड़ेगा।इसलिए आवश्यकता इस बात की है कि हम व्यक्तिगत मतभेदों और स्वार्थों से ऊपर उठें। बुंदेलखंड राज्य की मांग को किसी दल या व्यक्ति तक सीमित न करें। यह पूरे क्षेत्र का सामूहिक प्रश्न है। जो भी व्यक्ति बुंदेलखंड राज्य के निर्माण के पक्ष में है, वह इस लोकतांत्रिक संघर्ष में अपनी भूमिका निभाए। कोई अपने गांव में जागरूकता फैलाए, कोई युवाओं को जोड़े, कोई समाज के बीच संवाद करे, कोई लेख लिखे, कोई शांतिपूर्ण कार्यक्रम में शामिल हो और कोई अपने स्तर पर बुंदेलखंड की आवाज को मजबूत करे। बुंदेलखंड राज्य का निर्माण केवल किसी एक व्यक्ति के प्रयास से संभव नहीं होगा। इसके लिए पूरे बुंदेलखंड की एकजुट आवाज आवश्यक है। आइए, हम अपने व्यक्तिगत स्वार्थों से ऊपर उठकर बुंदेलखंड के भविष्य के लिए एक साथ खड़े हों। आप बुंदेलखंड राज्य के लिए हमारे साथ हैं और हम बुंदेलखंड राज्य के लिए आपके साथ हैं।

मालिक.मुद्रक, प्रकाशक, संपादक संजय श्रीवास्तव द्वारा सेलेक्ट ऑफसेट पता 17, सरकपुर सरैया, छठामील, बी०के०टी० लखनऊ उ0प्र0.226201, लखनऊ से मुद्रित एवं 20 कृष्णा नगर उरई जालौन से प्रकाशित प्रधान संपादक संजय श्रीवास्तव फोन न. +919415055318
(पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन हेतु जिमेदार सभी विवादों का न्याय क्षेत्र उरई जालौन न्यायालय के अधीन होगा। निदेशक अनिल शर्मा, प्रबंध संपादक इं० शिवम श्रीवास्तव RNI NO UPHIN/2011/39718